वंदना मोहिंदरू, यशवंत सिंह, रविंद्रा भट्ट	ऑथेंटिकेशन स्कीम फॉर मोबाइल वायरलेस सेंसर नेटवर्क	एल्सवेयर	सस्टेनेबल कंप्यूटिंग, इन्फॉर्मेटिक्स एंड सिस्टम्स	खंड 23, 2019, pp 158-166.	2019
वंदना मोहिंदरू, यशवंत सिंह, रविंद्रा भट्ट	हाइब्रिड कक्रिप्टाग्रफी ऐल्गरिदम फॉर सेकुरिंग वाईरलेस सेन्सर नेटवर्क फ्रॉम नोड क्लोन अटैक	बेन्थम विज्ञान	इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में हाल ही में प्रगति	खंड 13, 2020, pp251-259, डी ओ आइ: 10.2174/235209 6512666190215 125026	2019
वंदना मोहिंद्र, यशवंत सिंह, रविंद्रा भट्ट	सेकुरिंग वियलेस सेन्सर नेटवर्क फ्रॉम नोड क्लोन अटैक : अ लाइट्वैट मैसेज ऑथेन्टकैशन एल्गोरिथ्म	इन्दर साइंस पब्लिशर्स	सूचना और कंप्यूटर सुरक्षा (आईजीआईसी) के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल,	अंक 12 No 2/3. 2020, डिओआई: 10.1504/IJICS.2 019.10017217.	2020
यशवंत सिंह, जहांगीर अहमद लोन, जैदजिलॉ पोल्कोवस्की, जयनेल वोरा, सुदीप तंवर, सुधांशु त्यागी, प्रद. कुमार सिंह	डिप्लॉयमेंट एंड कवरेज इन वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स : ए पर्सपेक्टिव	आईईईई	ईसीएआई 2019 - इंटर्नल हाइमनिंग - 11 वां संस्करण इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस	27 जून -29 जून,2019, पिटेस्टी रोमानिया , पीपी 1-6, 2019	2019

जेडजिलॉ पोल्कोवस्की, जयनेल वोरा, सुदीप तंवर, सुधांशु त्यागी, प्रद. कुमार सिंह, यशवंत सिंह	मशीन लर्निंग - बेस्ड सॉफ्टवेयर एफर्ट एस्टिमेशन : एन एनालिसिस	आईईईई	ईसीएआई **2019** - इंटर्नल हाइमनिंग - **11** वां संस्करण इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस	**27** जून -**29** जून, **2019,** पिटेस्टी, रोमानिया, पीपी **1-6, 2019**।	**2019**
वंदना महिन्द्रु, उत्कर्ष चित्रांशी, रविंद्र भट्ट, यशवंत सिंह वंदना	पॉसिबिलिटीज ऑफ़ ब्लॉक चैन इन इंडिया मार्किट एंड नोटाबली इन एडवरटाइजिंग इंडस्ट्री	आईईईई	**5** वीं आईईईई अंतरराष्ट्रीय पर सम्मेलन संकेत प्रसंस्करण, कम्प्यूटिंग और नियंत्रण (आइएसपीसीसी **2019),**	अक्टूबर **10-12 2019,**जेयूआईटी, सोलन, भारत. पीपी **84-89**	**2019**

डॉ. भावना अरोड़ा

लेखक (कों) का नाम (मुख्य लेखक तथा सह लेखक)	**लेख/शोध आलेख /पुस्तक अध्याय/**	**प्रकाशक का नाम**	**पत्रिका/जर्नल/बुक का नाम**	**आईएसएसएन/आईएसबीएन नहीं**	**प्रकाशन का वर्ष**
शिवांगी दत्ता और भावना अरोड़ा	डोगरी भाषा में स्पीच (पीओएस) टैगिंग के कुछ हिस्सों के लिए प्री-प्रोसेसिंग	ब्लू आइज इंटेलिजेंस एनसीई इंजीनियर रिंग एंड साइंसेज पब्लिकट आयन	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड एक्सप्लोरिंग इंजीनियरिंग	**2278-3075**	**2019**

सौरव ठठियाल और भावना अरोड़ा	इवैल्यूएशन एंड कम्पेरिजन ऑफ़ जॉब प्रेडिक्शन मॉडल	एससीआरसी	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड साइंस एंड टेक्नोलॉजी	आईएसएसएन : **2005-4238**	**2019**
नेहा वर्मा, देवानंद, भावना अरोड़ा	यूजेर – आइटम रेकॉमेंड़शन सिस्टम (यू आइ आर एस) यूजिग कलैब्रटिव फिलटेरींग	एससीआरसी	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड साइंस एंड टेक्नोलॉजी	आईएसएसएन : **2005-4238**	**2019**
सौरव ठठियाल और भावना अरोड़ा	न्युरल नेटवर्क बेस्ड प्रीडिक्शन मोडेल फॉर जॉब ऐप्लकैशन	अमेरिकन साइअन्टिफिक पब्लिशर्स	जर्नल ऑफ काम्प्यूटैशनल एण्ड थेरेटिकल नैनो साइंस	आईएसएसएन **1546-1955**	**2019**
नेहा वर्मा, देवानंद, भावना अरोड़ा	एक्सपेरिमेंटेल अनैलिसिस ऑफ रेकॉमेंडशन ऑन सिस्टम इन कॉमर्स	बी ई आइ ई एस पी (स्कोपस जर्नल)	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इननोवटिव टेक्नॉलजी एण्ड एक्सपलोरींग इंजीनियरिंग	आईएसएसएन : **2278-3075**	**2019**
सोनम गंडोत्रा और भावना अरोड़ा	ओटोमेटिड स्टॉप वर्ड लिस्ट जनरेशन फार डोगरी कोरपस	एससीआरसी	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड साइंस एंड टेक्नोलॉजी	आईएसएसएन : **2005-4238**	**2019**

डॉ. अरविंद सेलवाल

लेखक (कों) का नाम (मुख्य लेखक तथा सह लेखक)	लेख/शोध आलेख /पुस्तक अध्याय/	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/जर्नल/बुक का नाम	आईएसएसएन/आईएसबीएन.	प्रकाशन का वर्ष
रजा महमूद और अरविंद सेलवाल	पालीनोमीअल बसेड फज़ी वॉल्ट टेक्नीक फॉर टेम्पलेट सिक्युरिटी इन फिंगगर्प्रिन्ट बीओमेट्रिक्स	सी सी आइ एस जारक विश्वविद्यालय जोडन	द इंटेरनशनल अरव जर्नल आफ इनफोरमेशन टेक्नोलाजी (इनडेक्सड इन एस सीआइ स्कोप) इम्पैक्ट फेक्टर **=0.742**	आईएसएसएन **:230 9-4524 (Online)**	**2020**
नादिश अयूब और अरविंद सेलवाल	एन इम्प्रूव्ड इमेज स्टेगानोग्राफी टेक्नीक यूजिंग एज बेस्ड डेटा हाइडिंग इन डी सी टी डोमेन	टेलर और फ्रांसिस	जर्नल ऑफ इन्टर्डिसप्लनेरी मैथमैटिक्स (इंडेक्सएड इन स्कोपस एण्ड ई एस सी आइ)	ऑनलाइन आईएसएसएन : **216 9-012X**	**2020**
दीप कुमार बंगोत्रा, यशवंत सिंह - अरविंद सेलवाल	एन इन्टेलिजन्ट आपर्टूनिस्टिक रौटिंग प्रोटोकॉल फॉर बिग डेटा इन डब्ल्यू एस एन एस	आइ जी आइ	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीमीडिया डेटा इंजीनियरिंग एण्ड मैनिज्मन्ट	खंड.**11(1), 2020** डीओआइ: **10.4 018/** आईजेएमडी **EM.20200 10102**	**2020**

अन्नू शर्मा, श्वेतांक आर्य, प्रवीणा चतुर्वेदी, अरविंद सेलवाल	मूलतीसपेक्टर ल इमेज फ्यूज़न ऑन वेव्लिट ट्रैन्स्फर्मैशन फॉर सिक्युर हुमन रेकॉगणिशन	एससीआरसी	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस्ड साइंस एंड टेक्नोलॉजी (इंडेक्सएड इन स्कोपस)	आईएसएसएन : **22 07-6360** (अनलाइन)	**201 9**
रजा महमूद, अरविंद सेलवाल	फिंगगर्प्रिन्ट बीओमेट्रिक टेम्पलेट सिक्युरिटी स्कीमस : अटैकस एण्ड काउन्टरमेयजरस	स्प्रिंगर	प्रोसीडिंग ऑफ आई सी आर आई सी 2019 , लेक्चर नोट इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, वॉल **597,** पी पी 455-**467**	ई बुक आईएसबीएन : **978-3-030-29407-6**	**202 0**
शेहला रफीक, अरविंद सेलवाल	टेम्पलेट सिक्युरिटी इन आइरिस रेकॉगनिशन सिस्टम : रिसर्च चैलेंज़ एण्ड ऑपर चुनिटीस	स्प्रिंगर	प्रोसीडिंग ऑफ आई सी आर आई सी 2019 , लेक्चर नोट इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, वॉल **597,** पी पी **771-784**	ई बुक आईएसबीएन : **978-3-030-29407-6**	**202 0**

डॉ. दिप्ती मलहोत्रा

लेखक (कों) का नाम (मुख्य लेखक तथा सह लेखक)	लेख/शोध आलेख /पुस्तक अध्याय/	प्रकाशक का नाम	पत्रिका/जर्नल/बुक का नाम	आईएसएसएन/आईएसबीएन-संख्या	प्रकाशन का वर्ष
जगबीर कौर, दीप्ति मल्होत्रा	अनैलिसिस ऑफ वेरीअस वर्चुअल मशीन माइग्रैशन टेकनीकस इन क्लाउड कंप्यूटिंग	सीएस जर्नल्स	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च इन एलक्टरोनिक्स एण्ड कंप्युटर इंजीनियरिंग (आइ जे आर ई सी ई)	आईएसएसएन **:234 8-2281**	**2019**

श्री नीरेन्द्र कुमार

लेखक (कों) का नाम (मुख्य लेखक तथा सह लेखक)	**लेख/शोध आलेख /पुस्तक अध्याय/**	**प्रकाशक का नाम**	**पत्रिका/जर्नल/बुक का नाम**	**आईएसएसएन/आईएसबीएन**	**प्रकाशन का वर्ष**
एफ कोसर और एन कुमार	रोबोट नेवीगेशन एण्ड पाथ प्लैनिंग टेक्नीक चैलेंज़िज : ए रिव्यू	सीएस जर्नल्स	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग	आईएसएसएन : **0973-7383**	**2019**
एस एम नास्ति	आब्स्टकल	व्लू	रिसेंट टैक्नोलाजी एंड इजिंनियरिंग की अंतरराष्ट्रीय पत्रिका	आईएसएसएन **:**	**2019**

जेड.वोमो सी और एन कुमार एस एम नास्ति जेड.वोमो सी	अवॉइडन्स ड्यूरिंग रोवोट नेविगेशन इन डायनमिक इनवायरमेंट यूजिंग फज्जी कंटरोल	आई इनटेलिजेंस इंजीनियरिंग एंड सांईस पब्लिकेशन (बीइआईइएसपी)		**2277-3878**	
यतीश बाथला चमन वर्मा, और नीरेंद्र कुमार यतीश बाथला	स्मार्ट अप्रोच फॉर रियल टाइम जेन्डर प्रीडिक्शन ऑफ यूरोपियन स्कूल प्रिन्सपल युजिंग मशीन लर्निंग	एल एनई ई सप्रिंगर नेचर स्विजरलेंड	प्रोसीडिंग ऑफ आइसी आर आईसी **-2019**	आई एस बी एन : **978-3-030-29407-6**	**2020**
यश पॉल और नीरेंद्र कुमार	ए कोम्पेरिटिव स्टडी ऑफ फेमस क्लैसफकैशन टेक्नीकस एण्ड डाटा मीनिंग टूल	एल एनई ई सप्रिंगर नेचर स्विजरलेंड	प्रोसीडिंग ऑफ आइसी आर आईसी **-2019**	आई एस बी एन : **2020 978-3-030-29407-6**	

9. अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

क्रम संख्या	परियोजना का शीर्षक	पीआई	वित्तीय संस्था	राशि	समय
1	डेवलपमेंट ऑफ वल्नरबिलिटी अनैलिसिस फ्रैम्वर्क एण्ड टेस्ट बेड फॉर आई ओ टी एण्ड एम्बेडिड डिवाइस	डॉ यशवत सिंह	डीआरडीओ नई दिल्ली	रुपये. **46.322** लाख	**2019-22**
2	डेवलपमेंट ऑफ टेक्स्ट एण्ड स्पीच कॉर्पर फॉर रीजेनल लैंग्वेज डेवलपमेंट एण्ड अनैलिसिस ऑफ ए लाइट वेट क्रिप्टाग्रफी फॉर सेन्सर नोडेस एण्ड आईओटी	डॉ. भावना अरोड़ा	डीआरडीओ नई दिल्ली (केसीएसटी)	रुपये. **80.16** लाख	**2020-23**
3	डेवलपमेंट ऑफ टेक्स्ट एण्ड स्पीच कॉर्पर फॉर रीजेनल लैंग्वेज डेवलपमेंट एण्ड अनैलिसिस ऑफ ए लाइट वेट क्रिप्टाग्रफी फॉर सेन्सर नोडेस एण्ड आईओटी	डॉ. अरविंद के सालवाल	डीआरडीओ नई दिल्ली (केसीएसटी)	रुपये. **44.16** लाख	**2020-23**

10. छात्रों की उपलब्धियों का विवरण

1. विभागों में जेआरएफ/नेट/सेट छात्रों का विवरण

क्रम संख्या	नाम	कक्षा	वैच	योग्यता परीक्षा / उपलब्धियां
1	जाकिर अहमद शेख	एमटेक	**2018-20**	गेट **-2020,** रोल नंबर **.CS20S63056042**
2	नुमारेना फारूक	एमटेक	**2018-20**	गेट **-2020,** रोल नंबर **.CS19S33023117**

पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग

1. विभाग के संबंध में

पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग (डीटीटीएम) शिक्षा, अनुसंधान और नीति विकास में 'उत्कृष्टता के केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है रोजगार सहभागियों के एक व्यापक नेटवर्क के साथ, 2014 से छात्रों का उत्कृष्ट कंपनियों में चयन हो, यह डीटीटीएम विभाग यह सुनिश्चित कर रहा है। छात्रों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षुता , कार्य पर प्रशिक्षण , पर्यटन तन्मयता और नेतृत्व विकास शिविर, परामर्शदाता कार्यक्रम, कौशल विकास इकाई और व्यक्तित्व विकास के सत्रों से अवगत कराया जाता है, जो उद्योग जगत में अधिक से अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए परिकल्पित किया गया है।

2. अंतरराष्ट्रीय , राष्ट्रीय सम्मेलन / विभाग में आयोजित अन्य कार्यक्रम

पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने "ट्रेवलिज़म-2019" (26 -27 सितंबर 2019) का आयोजन किया

पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे प्रश्नोतरी प्रतियोगिता / पोस्टर बनाना / नाटक / सांस्कृतिक नृत्य/ एथनिक वॉक प्रतियोगिता आदि कर " ट्रेवलिजम -2019" का आयोजन किया ।

पर्यटन में अंतरअनुशासनात्मक इंटरफ़ेस विषय से एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन दो दिवसीय पर्यटन ट्रेवलिजम - 2019 के दौरान किया।

"पर्यटन और नौकरियां - सभी के लिए एक बेहतर भविष्य" विषय पर मुख्य भाषण कैप्टन अनिल गौर, एमडी मास्टर टूर एंड ट्रैवल, पूर्व आईएटीओ अध्यक्ष जेएंडके चैप्टर द्वारा दिया गया था। वक्ता ने देश में किसी भी नए पर्यटन उपक्रम में, पर्यटन के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला , जिसमें कम से कम दस लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिल सकता है । अपने काम के लिए जुनून होना और आशावादी होने का महत्व हमेशा छात्रों को समझाया जाता है। उन्होंने सक्रिय श्रोता और समय के प्रभावी उपयोग के साथ-साथ दूसरों के काम की सराहना करने के लिए सीखने के महत्व पर भी जोर दिया। वक्ता ने यह भी कहा कि प्रत्येक को हर समय तैयार रहना चाहिए, क्योंकि अवसर किसी भी समय दस्तक दे सकता है।

श्री दीपक आनंद, प्रबंधक, स्पाइस जेट, जम्मू जो अगले वक्ता थे, ने "एविएशन सेक्टर में पेशेवर - अवसरों के लिए कौशल सेट" पर बात की। विमानन क्षेत्र के उम्मीदवारों के लिए आवश्यक कौशल के संबंध में भी उनके द्वारा विस्तृत विवरण दिया गया ।

पर्यावरण विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. पंकज मेहता ने पर्यटन और अपशिष्ट प्रबंधन- रोजगार के अवसर और चुनौतियां पर बात की। अगले वक्ता तुलनात्मक धर्म केंद्र से डॉ. मुरुगेशन द्वारा निर्देशित, सीयूजे ने धार्मिक स्मारकों और सांस्कृतिक पर्यटन विषय पर बात की।

भारत के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों पर स्पीकर ने गहराई से चर्चा की-

मास कम्युनिकेशन एवं नवीन मीडिया विभाग से प्रो. गोविंद सिंह ने मीडिया और पर्यटन: रोजगार के अवसर विषय पर बात की, जिसके बाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। श्री परमबीर सिंह, चितकारा यूनिवर्सिटी ने "फ्लावर डेकोरेशन और टॉवल डेकोर" पर रोचक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसे सभी ने सराहा।

विभाग के पूर्व छात्र और उद्यमी श्री आशीष मन्हास, उपाध्यक्ष, पूर्व छात्र संघ, और श्री निपुन शर्मा, निदेशक, वज्जवी 230 360 ने विभाग में अपने अनुभवों पर बात की।

बाद में माननीय कुलपति, सीयूजे प्रो अशोक आइमा ने संबोधित किया और ट्रैवलिज़म 2019 के विभिन्न कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। अन्य गणमान्य व्यक्ति जो इस समारोह में उपस्थित थे, वे थे प्रोफेसर देवानंद, प्रोफेसर बहू, प्रोफेसर जया भसीन, डॉ. पूनम शर्मा, डॉ. अंजू थापा, डॉ. पंकज मेहता, श्रीमती अर्चना, श्री मनीष, डॉ. डोड्डी, डॉ. बच्चा बाबू, डॉ. शाहिद मुश्ताक थे। श्री मंजीत सिंह, सहायक प्रोफेसर, पर्यटन और यात्रा प्रबंधन विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू द्वारा धन्यवाद का औपचारिक धन्यवाद किया गया। श्री रणजीत के रमण और श्री राहुल ठाकुर, सहायक आचार्य, पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने मनाली में एमबीए तृतीय सत्र के छात्रों के साथ विश्व पर्यटन दिवस आयोजन नेतृत्व विकास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

कुल्लू में पर्यटन विसर्जन एवं नेतृत्व विकास कार्यक्रम (टीआईएलडीपी) का 5वां संस्करण (20-09-2019 से 27-09-2019) तक आयोजित किया गया।

पर्यटन विसर्जन और नेतृत्व विकास कार्यक्रम (टीटीडीपी) पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग (डीटीटीएम), जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की एक अनूठी पहल है, जिसका उद्देश्य नवोदित पर्यटन व्यवसायीयों को पर्यटन और व्यावहार की जमीनी स्तर की वास्तविकता के प्रति जागरूक करना है जो कक्षा शिक्षण शिक्षा को वास्तविक समय के वातावरण के साथ जोड़ने का प्रयास करते हैं। यह न केवल छात्रों को जमीनी स्तर का ज्ञान प्रदान करता है बल्कि उन्हें अपने पेशेवर कैरियर में संतुलित निर्णय लेने के लिए अपनी बुद्धिमत्ता विकसित करने में भी उपयोगी होते है।

पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग (डीटीटीएम),जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) अपने छात्रों को समग्र विकास सुनिश्चित करने के लिए अमूल्य शैक्षिक जानकारी के साथ व्यापक व्यावहारिक अनाव्रत्ति देने के महत्व में विश्वास रखता है। ज़मीनी अभ्यास के साथ संयुक्त एमबीए (पर्यटन और यात्रा प्रबंधन) पाठ्यक्रम का एक अभिन्न घटक है। पर्यटन विसर्जन और नेतृत्व विकास कार्यक्रम (टीटीडीपी) ध्यानपूर्वक तैयार किया गया है, जो जमीनी स्तर के अभ्यास से शुरू होता है जो कक्षा शिक्षण को व्यावहारिक स्थितियों के साथ जोड़ने का प्रयास करता है, जिसके बाद क्षेत्र विसर्जन होता है जहां छात्र क्षेत्र में एक सप्ताह बिताते हैं, अक्सर गंतव्य समुदायों के साथ रहते हैं और जमीनी अनुभव प्राप्त करते हैं। इन्हें सीखना तो छोटे व्यावहारिक परियोजना (SPP) और प्रस्तुतियों के रूप में कक्षा में वापस लाया जाता है और कक्षाओं के भीतर सहयोगात्मक सीखने के लिए होते हैं ।

3. शैक्षिक उपलब्धियां

1. डॉ. अमित गंगोटिया को "पर्यटन संयुक्त विकास आन्नदोत्सव 2019" शीर्षक से पूर्व संध्या पर्यटन सप्ताह समारोह पर राज्य के बाहर काम कर रहे पर्यटन शिक्षकों की श्रेणी में "त्रिगर्थ प्रयत्न शिक्षा पुरस्कार -2019" प्रदान किया गया। यह पुरस्कार 25 सितंबर को हिमाचल प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेज धर्मशाला द्वारा मुख्य अतिथि द्वारा हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. कुलदीप अग्निहोत्री द्वारा दिया गया।
2. डॉ. अमित गंगोटिया को 21 सितंबर, 2019 को राजकीय डिग्री कॉलेज धर्मशाला, धर्मशाला द्वारा आयोजित पर्यटन सप्ताह समारोह के आयोजन पर सेवा उद्योग में सकारात्मकता और सहज कौशल के महत्व पर भाषण देने के लिए प्रेरक वक्ता/मुख्य वक्ता एवं सत्राध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था।
3. डॉ. अमित गंगोटिया को 27/07/2019 को लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब में स्कूल ऑफ होटल प्रबंधन एंव पर्यटन अध्ययन समिति के विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।
4. पर्यटन उत्सव-2019 के दौरान हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित सभी के लिए पर्यटन एवं रोजगार-एक बेहतर भविष्य विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान डॉ. अमित गंगोटिया को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।
5. पर्यटन उत्सव-2019 के दौरान हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय, पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित सभी के लिए पर्यटन एवं रोजगार-एक बेहतर भविष्य विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान डॉ. अमित गंगोटिया को रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया गया था।
6. डॉ. अमित गंगोटिया को 19 अक्टूबर, 2019 को हिमाचल प्रदेश के राजकीय डिग्री कॉलेज जवाली द्वारा बिजनेस सस्टेनेबिलिटी एंड सोसायटी (एनबीएसबीएस-2019) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान सलाहकार के रूप में आमंत्रित किया गया था।
7. अरदित्य जसरोटिया, शोधार्थी, पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
   - " वैश्विक स्मार्ट पर्यटन सम्मेलन " कनक्कले ओंसेकिज मार्ट विश्वविद्यालय, कनक्कले, तुर्की में स्मार्ट पर्यटन गंतव्य के आयामों के प्रति स्मार्ट सिटी के निवासियों की धारणा को समझना शीर्षक से एक आलेख प्रस्तुत किया। 13-16 नवंबर 2019 को।
   - पुस्तक पर्यटन गतिशीलता: आधुनिक परिप्रेक्ष्य और रुझान में ' स्मार्टनेस को पर्यटन गंतव्य में लाना: धर्मशाला के स्थानीय निवासियों का एक परिप्रेक्ष्य ' (आईएसबीएन: 978-93-88825-07-8) शीर्षक से एक अध्याय प्रकाशित किया।
   - सम्मेलन कार्यवाही पुस्तक (ई-आईएसबीएन: 978-605-4222-79-7) में स्मार्ट पर्यटन गंतव्य के आयामों के प्रति स्मार्ट सिटी के निवासियों की धारणा को समझना नामक एक सार प्रकाशित किया गया है।
8. आसमा बशीर ने अपने शोध विषय "सांस्कृतिक निर्माण और पर्यटन विकास के लिए रचनात्मकता" पर 6 फरवरी 2020 को :- जम्मू-कश्मीर राज्य का एक केस स्टडी पीएचडी अधिसूचना प्राप्त की। उन्होंने डॉ. भारती गुप्ता और डॉ. जुबैर अहमद डाडा के मार्गदर्शन में पीएचडी की।
9. पारूल जसरोटिया ने अपने शोध विषय "अध्यात्म के माध्यम से स्वयंसेवक पर्यटन-सामुदायिक विकास के प्रति एक अनुभवात्मक शिक्षा" पर 18 मार्च २०२० की पीएचडी अधिसूचना प्राप्त की। उन्होंने डॉ. भारती गुप्ता की देखरेख में पीएचडी की।
10. स्वाती समोत्रा ने अपने शोध विषय "पीस थ्रू टुरिज़म एक्सपलोरींग द इरैटिक रीलैशन्शिप" पर 18 मार्च 2029 को पीएचडी अधिसूचना प्राप्त की। उन्होंने डॉ. भारती गुप्ता के मार्गदर्शन में पीएचडी की।

11. 8 से 14 जून 2020 तक आयोजित किए जाने वाले एमएचआरडी के कार्यक्रम वैश्विक शैक्षिक नेटवर्क की पहल (जीआईएन) के तहत "स्थानीय समुदाय की पहचान को पुनर्जीवित करने के लिए कौशल आधारित रचनात्मक पर्यटन विकास" पाठ्यक्रम का संचालन करने के लिए फरवरी में प्रशासनिक अनुमोदन प्राप्त हुआ था। हालांकि एमएचआरडी की ओर से अगली अधिसूचना तक महामारी की स्थिति के कारण इसे स्थगित कर दिया गया है। मैकरेटा विश्वविद्यालय, इटली की प्रो. फ्लाविया स्टार डॉ. भारती गुप्ता के साथ उक्त पाठ्यक्रम में व्याख्यान देने वाले अतिथि संकाय हैं, जो पाठ्यक्रम सन्योजक हैं।
12. विभाग के सहायक प्रोफेसर रंजीत कुमार रमन ने "पर्यटकों के व्यवहार पर गंतव्य छवि और गंतव्य सेवा गुणवत्ता का प्रभाव" शीर्षक से अपनी पीएचडी शोध प्रबंध शीर्षक का सफलतापूर्वक बचाव किया : 16 मार्च 2020 को भारत में बौद्ध सर्किट का मामला और प्रतिष्ठित कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र (भारत) से पर्यटन प्रबंधन में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।

हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

1. विभाग के संबंध में

हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग को अगस्त 2015 में स्थापित किया गया था । विभाग द्वारा दो वर्षीय स्नातकोतर कार्यक्रम को प्रस्तावित किया जा रहा है जो हिंदी भाषा पर बल देता है।

2. संगोष्ठी/कार्यशाला/ अन्य आयोजित कार्यक्रम

बसंत पंचमी के अवसर पर 30 जनवरी 2020 को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

3. विभाग में विस्तार व्याख्यान श्रृंखला आयोजित:

क्रम संख्या	मुख्य वक्ता	विषय	दिनांक एवं वर्ष
1.	प्रो. सुधाकर सिंह	कबीर की प्रसांगिकता	05-04-2019
2.	प्रो. सुरेश रितुपर्ण	प्रेमचंद ज्यांती	01-08-2019
3.	प्रो. कमलानंद झा	साहित्य सिनेमा और समाज	27-09-2019
4.	प्रो. बलदेव भाई शर्मा	हिंदी की भूमिका मीडिया	17-02-2020

4. संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित/भाग लेने वाले अभिविन्यास कार्यक्रमों का विवरण-:

क्रम संख्या	नाम	आयोजन	तिथि
1.	डॉ. विनय कुमार शुक्ला	जम्मू विश्वविद्यालय	26 नवंबर 2019 से 17 दिसंबर 2019

5. सेमिनार, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता (2019- 2020)

संकाय का नाम	सेमिनार/कार्यशालाएं	संगठन	विषय
डॉ वंदना शर्मा	हिंदी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय	29-31 जुलाई, 2019	हिंदी का वैश्य परिष्कार
डॉ विनय कुमार शुक्ला	केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली	22-23 जुलाई, 2019	भाषा
डॉ रत्नेश कुमार यादव	हिंदी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय	29-31 जुलाई, 2019	वैश्विक संदर्भ में हिंदी

6. जागरूकता कार्यक्रम

- मार्च, 2019 चंडीगढ़, पंजाब विश्वविद्यालय में।

भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग

1. विभाग के संबंध में

भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग, सीयू जम्मू की स्थापना वर्ष 2016 में 45 छात्रों की प्रविष्टी क्षमता के साथ विज्ञान में पांच वर्षीय एकीकृत स्नातकोतर (भौतिकी) पाठ्यक्रम को शुरू करने के साथ की गई थी। राष्ट्रीय विशेषज्ञों के एक पैनल ने एकीकृत स्नातकोतर पाठ्यक्रम की प्रारंभिक संरचना को तैयार किया। पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को विज्ञान और मानविकी तथा अन्य क्षेत्रों का ज्ञान प्राप्त करने की अनुमति देते हुए, भौतिक विज्ञान में छात्रों की क्षमता को मजबूत करने पर बल देना है जिससे इसके शीर्षक एकीकृत स्नातकोतर पाठ्यक्रम के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

भौतिकी में पीएचडी कार्यक्रम 2018 से शुरू किया गया है। संकाय सदस्यों के अनुसंधान रूचियाँ में व्यापक विषय शामिल हैं: संघनित पदार्थ भौतिकी, लेजर एवं फोटोनिक्स, परमाणु सैद्धांतिक भौतिकी, सांख्यिकीय भौतिकी, और सामग्री विज्ञान।

2. कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग ने **28** फरवरी, **2020** को विज्ञान के अन्य विभागों के सहयोग से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस **-2020** का आयोजन किया है। कार्यक्रम का विषय था "विज्ञान में महिलाएं"।

3. प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला

21 नवंबर, **2019** को, लोकप्रिय व्याख्यान श्रृंखला के तहत, भौतिकी एवं खगोलीय विज्ञान विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने "प्लाज्मा जेट बेस्ड अद्दिट्टीव मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी फॉर इंडस्ट्री 4.0" पर व्याख्यान का आयोजन किया।

4. सम्मेलन, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय प्रतिभागिता:

- डॉ. विनय कुमार, सहआचार्य एवं विभागाध्यक्ष, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (**INSA**), नई दिल्ली में **14-15** मई, **2019** को आयोजित परियोजना निगरानी बैठक में शामिल हुए हैं।
- डॉ. अमित तोमर ने इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप और एलाइड एनालिटिकल टेक्निक्स ऑन विषय पर एच.पी. विश्वविद्यालय, शिमला में 7 से 9 जून 2019 के दौरान आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में नेक्स्ट जनरेशन सॉफ्ट मैटेरियल्स फॉर सेंसर टेक्नोलॉजी विषय पर बात की।
- डॉ. सूरम सिंह ने 3-11 जनवरी, 2020 को इंद्रप्रस्थ इंजीनियरिंग कॉलेज, गाजियाबाद, भारत द्वारा आयोजित तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मॉडर्न मैथमेटिकल मेथड्स एंड हाई परफॉरमेंस कंप्यूटिंग इन साइंस एंड टेक्नोलॉजी (**M3HPCST**) में माइक्रोस्कोपिक स्टडी ऑफ़ द नुक्लेअर स्ट्रक्चर प्रॉपर्टीज ऑफ़ कैडमियम नुक्ले विषय पर आमंत्रित वक्ता के रूप में बात की।

- डॉ. सूरम सिंह ने 23-27 दिसंबर, 2019 को लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, यू.पी. में आयोजित न्यूक्लियर भौतिकी पर डीएई संगोष्ठी में "कसपार्टिकले स्टकचर ऑफ़ सम ओड मास पैलेडियम इसोटोपेस" नामक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. सूरम सिंह ने चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ (उ.प्र), भारत में आयोजित भौतिक विज्ञान में नवाचारों पर इंटर्न एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज (**CONIAPS-XXIN**) के 24 वें सम्मेलन में ""थ्योरेटिकल स्टडी ऑफ़ नुक्लेअर स्ट्रक्चर प्रॉपर्टीज ऑफ़ सम ओड -मास्स ऑफ़ इसोटोपेस " नामक एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- डॉ. अविनाश सी यादव ने डायनामिक डे **-XIII, IIT** दिल्ली, **2019** में आमंत्रित वक्ता के रूप में वक्तव्य दिया।

5. संकाय प्रकाशन

वर्ष	प्रकाशन
2020	एके बेदियाल, एके कुंती, सामवित जी मेनन, विनय कुमार , हक स्वैर्त रेड एमिटिंग नॉन -रेयर एअर्थ डोप्ड **LiMgBO3** फॉस्फर फॉर लाइट एमिटिंग डिओडेस , जर्नल ऑफ़ अलॉयज एंड कंपाउंड्स ८३० (**2020**) **154622**
2020	पंकज विश्वास , विनय कुमार , कमनी , द स्ट्रक्चरल एंड स्पेक्ट्रल स्टडी ऑफ़ **LiSrVO**4:**Tb**3+ फॉस्फर फॉर उव -शिफ्टेड इमेजिंग देवीकेस 2020, मैटेरियल्स टूडे : प्रोसीडिंग्स , वॉल्यूम 28, पार्ट 2, 2020, पेजेज 1018-1023
2019	ए. के . बेड्याल , डी . डी . रामटेके , विनय कुमार , ह . स . स्वैर्त , एक्ससिटेशन वेवलेंथ एंड **Eu3+/Tb3+** कंटेंट रेश्यो डिपेंडेंट तुनबले फोटो लुमिनेसेन्स फ्रॉम **NaSrBO3:Eu3+/Tb3+** फॉस्फर , जर्नल ऑफ़ मैटेरियल्स साइंस : मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स (**2019**) **30:11714–11726**
2019	• रूबी महाजन, संदीप कुमार, राम प्रकाश, विनय कुमार, आर.जे. चौधरी, डी.एम. चरण डी.एम. चरण एक्स-रे फोटोमिशन और डीए 3 सक्रिय मैग्नीशियम पाइरोफॉस्फेट फॉस्फोरस की वर्णक्रमीय जांच, जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कम्पाउंड्स 777 (2019) 562-571
2019	सुमरा खुर्शीद, पंकज विश्वास, विवेक के. सिंह, विनय कुमार, एच.सी. स्वार्ट, जितेंद्र शर्मा, **KCaVO4** का संश्लेषण और ऑप्टिकल अध्ययन: **Sm3 + / PMMA** नैनोकंपोजिट्स, वैक्यूम **159 (2019) 414–422**
2020	रिधम बख्शी, सुरभि गुप्ता, सूरम सिंह, अरुण भारती, जी एच भट और जे ए शेख, कुछ डबल-न्यूट्रॉन की कमी वाले बेरियम समस्थानिकों के गैर-अक्षीय आकार के असाधारण विवरण जे भौतिकी जी: न्यूक्लियर पार्ट **47, 075103 (2020)**
2020	प्रीति वर्मा, सूरम सिंह *, अरुण भारती और एस के खोसा, मास क्षेत्र ए ~ **70-80**, जे फिजिक्स में एन = **45** और **46** आइसोटोन में ग्राउंड स्टेट बैंड का सूक्ष्म अध्ययन जी: न्यूक्लियर पार्ट फिज **47, 045114 (2020)**

2019	सुरम सिंह, सुरभि गुप्ता, अरुण गुप्ता, अमित कुमार, अरुण भारती, जी.एच. भट, और जे.ए. शेख, विषम-द्रव्यमान टेरिबियम समस्थानिक के अर्ध-कण संरचना में सूक्ष्मदर्शी अंतर्दृष्टि, चीनी जर्नल ऑफ़ फ़िज़िक्स, वॉल्यूम **62, 240–251 (2019)**
2019	प्रीति वर्मा, सूरम सिंह *, अरुण भारती और एस के खोसा, निम्न स्तर के सिस्टमैटिक्स में माइक्रोस्कोपिक अंतर्दृष्टि और विषम-द्रव्यमान **111-127Cd** में नकारात्मक-समता यस्त्र बैंड, ईआरआर भौतिकी जे प्लस **134: 520 (2019)**
2019	प्रीति वर्मा, सूरम सिंह *, अरुण भारती, एसके खोसा, जीएच भट्ट और जेए शेख, Microscopic insight into the nuclear structure properties of oddmass 101−109Cd isotopes, Nuclear Physics **A 986, 245-259 (2019)**
2020	रिधम बख्शी, सुरभि गुप्ता, सिमी गुप्ता, सूरम सिंह और अरुण भारती, स्व-सुसंगत दृष्टिकोण में सम-सेरियम समस्थानिकों की क्वैसी-पार्टिकल संरचना, एआईपी सम्मेलन कार्यवाही **2220, 130020 (2020)**।
2020	अरुण गुप्ता, अमित कुमार, सुरभि गुप्ता, सूरम सिंह, और अरुण भारती, अजीब-अजीब **94**एनबी न्यूक्लियस के विशाल संरचना का अध्ययन, एआईपी सम्मेलन की कार्यवाही **2220, 130035 (2020).**
2019	पूनम पाहुजा, अमित तोमर, आर.पी. टंडन, स्ट्रक्चरल, माइक्रोस्ट्रिचुअल और मल्टीपोरिक कम्पोजिटर्स के डाइयूरेटिक प्रॉपर्टीज, इंटीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स, **203: 1, 156- 163 (2019)** पर चुंबकीय चरण के नैनोकणों के जुड़ाव का प्रभाव
2020	अमित तोमर, मीटेश, सूरम, लोकेश, संदीप, संयोगिता, पराबैंगनी क्वांटम कटिंग रूपांतरण के माध्यम से Ultraviolet Quantum Cutting through down Conversion Luminescence Behaviour of Er3+सबस्टीट्यूट **Sr0.7Bi2.2Nb2O9 (BLFS)** सेरामिक्स, इंटीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक, **204: 1, 33- 37 (2020)**।
2020	ज्योति, संदीप, अनूप, सोनाली, आशा, बिक्रम, अमित तोमर, **CH2Cl2** सेंसर के रूप में कॉपर (**Cu)** नैनोवायर के टेम्पलेट आधारित विद्युत रासायनिक संश्लेषण, एकीकृत फेरोइलेक्ट्रिक, **204: 1,63-72 (2020).**

6. अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

डॉ विनय कुमार

- डीआरडीओ द्वारा तीन वर्षों के लिए स्वीकृत **108.13** लाख रुपये के "उच्च तापमान थर्मल सेंसिंग नैनोफॉस्फर्स का उपयोग" नामक एक अनुसंधान परियोजना; चल रही है। (पीआई)
- डीआरडीओ द्वारा तीन वर्षों के लिए स्वीकृत 53.41 लाख रुपये के **"Fabrication of TiO2 decorated ZnO Nanorods /Conducting Polymer heterojunctions for Flexible Photovoltaic applications"** नामक एक अनुसंधान परियोजना; चल रही है। (सह पीआई)।

डॉ सूरम सिंह

- सूजीसी स्टार्ट अप अनुदान (**2019-2021)** के तहत **UGC (No. F.30-412 / 2018 (BSR)** एक अनुसंधान परियोजना **"Theoretical study of quasi-particle structure of some non- magic nuclei in the mass region A =** 100-150**"** द्वारा स्वीकृत **10** लाख।

जेहोवा जिरे एल.हमार

- दो साल के लिए यूजीसी-बीएसआर द्वारा स्वीकृत **10** लाख रुपये के लचीले इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टोइलेक्ट्रोनिक अनुप्रयोगों के लिए **"Fabrication of Inorganic Semiconductor Decorated Doped or Undoped ZnO Nanowires / Conducting Polymer Heterojuntions for Flexible Electronic and Optoelectronic Applications"** नामक एक परियोजना**;** पूरा कर लिया है।
- तीन वर्षों के लिए डीआरडीओ द्वारा स्वीकृत 53.41 लाख रुपये के **"Fabrication of TiO2 decorated ZnO Nanorods /Conducting Polymer heterojunctions for Flexible Photovoltaic applications"** नामक एक अनुसंधान परियोजना**;** चल रही है।

डॉ अविनाश सी यादव

- विभिन्न संगठनात्मक स्तर पर आलोचनात्मकता का प्रदर्शन करने वाली तंत्रिका तंत्र: उत्पत्ति और निहितार्थ**,** ईसीआर / **2017/001702;** एसईआरबी**,** भारत रु**.-54.68** लाख**;** चल रहा है**,** नवंबर **2018-**अक्टूबर **2021.**
- **1** / एफ शोर के लिए एक तंत्र के रूप में मेमोरी कम गैर-प्रतिक्रिया प्रतिक्रिया**,** यूजीसी-बीएसआर रिसर्च स्टार्ट-अप-ग्रांट नंबर एफ.**30-352 / 2017 (**बीएसआर)**;** रु**.-10** लाख**,** पूर्ण**,** दिसम्बर **2017-**नवंबर **2019**।

विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग

1. विभाग के संबंध में

विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग ने एमबीए स्नातकों को तैयार करने के उद्देश्य जुलाई, 2016 से कार्य करना शुरू किया, जो 'राष्ट्र के स्तंभ, बनेंगे चाहे वह निजी या सार्वजनिक क्षेत्र में सैद्धांतिक अवधारणाओं को वास्तविक दुनिया के व्यावहारिक उदाहरणों में परिणत हो। विभाग देश और दुनिया में विशिष्ट व्यावसायिक ज्ञान का सबसे व्यापक स्रोत बनने के लिए अपने दृष्टिकोण के दायरे का विस्तार करने की परिकल्पना करता है। विभाग का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उद्योग हेतु तैयार करना है। हमारे प्रख्यात संकाय द्वारा चुना गया मामले का अध्ययन, सिमुलेशन, न्यूरो-भाषाई प्रोग्रामिंग (एनएलपी) कार्यशालाओं, नाटकों की भूमिक, अतिथि व्याख्यान और बाह्य उद्योग कार्यक्रमों को शामिल करते हुए आवेदन आधारित शिक्षण पद्धतियां आगे एक कठोर कॉर्पोरेट जीवन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण विकसित करने के लिए नवोदित दिमाग तैयार करती हैं।

2. विभागीय गतिविधियां

- विश्वविद्यालय के अन्य एनएसएस अग्रदूतों के साथ विपणन और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग के एनएसएस स्वयंसेवकों ने **19** सितंबर, **2019** को 'स्वच्छता ही सेवा' के लिए शपथ दिलाई।
- कशिष महाजन,विशाखा संब्याल और स्टंजिन कोंचोक छात्राओ ने **27** सितंबर, **2019** को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित एथनिक वॉक -अंडर ट्रैवलिज्म **2019** में दूसरा पुरस्कार प्राप्त किया।
- विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग के कशिष महाजन, विशाखा सम्बयाल और स्टैनजिन कोंचोक नाम के छात्रों ने **16-30** जनवरी, 2020 के दौरान जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश के **24** अन्य छात्रों के साथ एक भारत श्रेष्ठ भारत 2020 के तहत तमिलनाडू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित छात्र विनिमय कार्यक्रम में सीयूजे ने प्रतिनिधित्व किया।
- ऋषभ कथ, गौरव संगोत्रा और अजय सिंह ने **31** जनवरी-**2** फरवरी, **2020** के दौरान भारतीय प्रबंधन संस्थान, जम्मू द्वारा आयोजित उत्सव में भाग लिया।
- 26 फरवरी, 2020 को एमबीए प्रबंधन के छात्रों और विपणन प्रबंधन और आपूर्ति के लिए इग्नू के प्रोफेसर नवल किशोर द्वारा अतिथि व्याख्यान। उन्होंने छात्रों के साथ साझा किया कि उद्योग जगत को वैचारिक समझ के साथ बहुआयामी व्यक्तित्व वाले छात्रों की तलाश है।
- 22-28 फरवरी, 2020 को जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर में विश्वविद्यालय के अन्य छात्रों के साथ विभाग के छात्रों ने भाग लिया। ऋषभ कथ ने प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार और नारा लेखन प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार जीता।

3. संगोष्ठी, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में संकाय की प्रतिभागिता :

डॉ नरेश कुमार शर्मा, डॉ सलिल सेठ

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सीएसआईटी विभाग द्वारा आयोजित अटल अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित "इंटरनेट ऑफ थिंग्स" विषय पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया। (**14** अक्टूबर-**18, 2019)**

डॉ नरेश कुमार शर्मा

- मूल्यांकन और आंकलन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मूल्यांकन और पीएचडी डिग्री का मूल्यांकन:- कुछ नैतिक मुद्दे" शीर्षक से प्रस्तुत पेपर हाल ही में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा आयोजित रुझान और चुनौतियां। (5-6 फरवरी, 2020)
- नए भारत के उद्भव पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "उच्च शिक्षा पर स्वामी विवेकानंद के विचार" शीर्षक से आलेख प्रस्तुत किया। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के विवेकानंद पीठ द्वारा स्वामी विवेकानंद के दर्शन और शिक्षाओं का आयोजन किया गया। (16-17 जनवरी, 2020)

डॉ. अंजू थापा

- एक सप्ताह की अगली पीढ़ी संभार कार्यशाला, एसएमवीडीयू, कटरा में भारत-अमेरिका विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंच साझा किया। (5 अगस्त- 10 अगस्त, 2019)
- उद्यमिता विकास संस्थान, गांधीनगर, गुजरात द्वारा डीएसटी-निमाट परियोजना, केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू के तहत प्रायोजित उद्यमिता विकास पर संकाय विकास कार्यक्रम। (20 मई-10 जून, 2019)

लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग

1. अंतरराष्ट्रीय , राष्ट्रीय सम्मेलन / कार्यशाला / अन्य कार्यक्रम

- **26 नवंबर 2019**
  लोक नीति और लोक प्रशासन विभाग (PPPA) ने संविधान दिवस मनाया। संविधान दिवस के दौरान निम्नलिखित गतिविधियाँ विभाग द्वारा की गई थीं।
- प्रस्तावना पढ़ना
- समवितन दिवस का सीधा प्रसारण
- निबंध लेखन प्रतियोगिता
- पैनल चर्चा

- **11 फरवरी 2020**
  लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग ने विभाग के छात्रों के लिए पत्नीटॉट में पिकनिक का आयोजन किया है। पिकनिक के लिए शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के साथ कुल 43 छात्रों ने पिकनिक में भाग लिया।

2. एक्सटेंशन लेक्चर श्रृंखला

क्रम सं	यात्रा की तिथि	अध्यक्ष का नाम	वार्ता का विषय
1	17 मई, 2019	अजमेर सिंह	बोर्ड ऑफ स्टडीज
2	7 फरवरी, 2020	अलका धमेजा	लोक प्रशासन सिद्धांत का परिचय

3. बाहरी विशेषज्ञों का दौरा

क्रम संख्या	विशेषज्ञ का नाम	महीना	यात्रा का उद्देश्य
1	अजमेर सिंह मलिक	17 मई, 2019	बीओएस
2	ममता मोक्टा	28 फरवरी, 2020	पीएचडी मौखिक परीक्षा
3	अलका धमेजा	7 मई, 2020	पीएचडी मौखिक परीक्षा

4. संकाय द्वारा सेमिनार, कार्यशाला और सम्मेलन

डॉ गोविंद कुमार इनखिया

राष्ट्रीय :

18- 19 मार्च, 2019 तक रूसी एवं मध्य एशियाई अध्ययन केंद्र, स्कूल ऑफ इंटर्न स्टडीज, जे एन यू नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "उजबेका - भारत संबंध: पूर्व संबंध और भावी संभावनाएं" यूरेशिया की विदेश नीति: निर्धारक और उद्देश्य, शीर्षक से आलेख प्रस्तुत किया।

अंतरराष्ट्रीय :

31.01.2020 को इंडिया सेंट्रल एशिया फाउंडेशन और आईसीएसएसआर आईआईसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित भारत, तजाकिस्तान संबंधों पर आंतरिक सम्मेलन में "भारत- तजाकिस्तान के रिश्तों का नया अध्याय आगे की नीति' विषय पर आलेख प्रस्तुत किया।

5. संकाय प्रकाशन

डॉ. राउची चौधरी

जर्नल्स/रिसर्च पब्लिकेशन:

- शोध आलेख जिसका शीर्षक है, "सामाजिक रूप से पिछड़ी लड़कियों का शैक्षिक उत्थान: जम्मू और कश्मीर में केंद्रीय और राज्य प्रायोजित कार्यक्रमों का विश्लेषण" (सह-लेखक) रिसर्च जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज में, **10** नंबर **4**।
- शोध पत्र "कौशल विकास में समुदायों को मजबूत बनाना: कश्मीर घाटी में हिमायत परियोजना के एक प्रभाव का विश्लेषण" (सह-लेखक) शोध समीक्षा, खंड **04** अंक **04** में।

डॉ. जी दुर्गा राव

- "क्राइसिस से इनोवेशन - कंट्रोन्स ऑफ गवर्नेंस रिफॉर्म्स इन इंडिया" शीर्षक से एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया। भारत में लोक नीति एवं लोक प्रशासन के शीर्षक से संपादित पुस्तक में: प्रो. रामब्रह्मणम के सम्मान में फेस्ट्रिक्रिफ्ट।

डॉ. गोविंद के इनखिया

1. "क्राइसिस से इनोवेशन - कंट्रोन्स ऑफ गवर्नेंस रिफॉर्म्स इन इंडिया" शीर्षक से एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया। भारत में लोक नीति एवं लोक प्रशासन ऑफ कोंट्रोस शीर्षक से एक संपादित पुस्तक में: प्रो.रामभ्राहमम के सम्मान में फेस्टस्ट्रक्चर।
2. जम्मू और कश्मीर लोक सेवा गारंटी अधिनियम, **2011** का कार्यान्वयन: एक अवलोकन, लोक नीति एवं लोक प्रशासन खंड **8**, नंबर **1**, मार्च **2020**, पीपी **41-59** (स्वीकृत)

श्री मोहित शर्मा

- "क्राइसिस से इनोवेशन - कंट्रोन्स ऑफ गवर्नेंस रिफॉर्म्स इन इंडिया" शीर्षक से एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित किया। भारत में लोक नीति एवं लोक प्रशासन ऑफ कोंट्रोस शीर्षक से एक संपादित पुस्तक में: प्रो.रामभ्राहमम के सम्मान में फेस्टस्ट्रक्चर।

6. **अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण -**

डॉ. राउची चौधरी

कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स: 02

- सह सलाहकार: जम्मू नगर निगम, जम्मू द्वारा लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग द्वारा 4 महीने की अवधि के लिए प्रायोजित, 10.25 लाख रु. की पहले चरण की परियोजना (कठुआ, जम्मू, उधमपुर और रियासी जिलों का अध्ययन पूरा और रिपोर्ट प्रस्तुत)।
- परियोजना अन्वेषक: जम्मू डिवीजन में जेकेएससीएसटीबीसीडीसी योजना का प्रभाव आकलन, जेकेएससीएसटीबीसीडीई, जम्मू द्वारा प्रायोजित. रु. **4.70** लाख (पूर्ण और प्रस्तुत रिपोर्ट)

डॉ. जी दुर्गा राव

कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स: 02

- सह सलाहकार: जम्मू नगर निगम, जम्मू द्वारा लोक नीति और लोक प्रशासन विभाग द्वारा 4 महीने की अवधि के लिए प्रायोजित, 10.25 लाख रु. की पहले चरण की परियोजना (कठुआ, जम्मू, उधमपुर और रियासी जिलों का अध्ययन पूरा और रिपोर्ट प्रस्तुत)।
- परियोजना अन्वेषक: जम्मू डिवीजन में जेकेएससीएसटीबीसीडीसी योजना का प्रभाव आकलन, जेकेएससीएसटीबीसीडीई, जम्मू द्वारा प्रायोजित. रु. **4.70** लाख (पूर्ण और प्रस्तुत रिपोर्ट)

डॉ. गोविंद कुमार इनखिया

कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स: 02

- सह सलाहकार: जम्मू नगर निगम, जम्मू द्वारा लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग द्वारा 4 महीने की अवधि के लिए प्रायोजित, 10.25 लाख रु. की पहले चरण की परियोजना (कठुआ, जम्मू, उधमपुर और रियासी जिलों का अध्ययन पूरा और रिपोर्ट प्रस्तुत)।
- परियोजना अन्वेषक: जम्मू डिवीजन में जेकेएससीएसटीबीसीडीसी योजना का प्रभाव आकलन, जेकेएससीएसटीबीसीडीई, जम्मू द्वारा प्रायोजित. रु. **4.70** लाख (पूर्ण और प्रस्तुत रिपोर्ट)

डॉ. मोहित शर्मा

कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स: 02

- सह सलाहकार: जम्मू नगर निगम, जम्मू द्वारा लोक नीति एवं लोक प्रशासन विभाग द्वारा 4 महीने की अवधि के लिए प्रायोजित, 10.25 लाख रु. की पहले चरण की परियोजना, (कठुआ, जम्मू, उधमपुर और रियासी जिलों का अध्ययन पूरा और रिपोर्ट प्रस्तुत)।
- परियोजना अन्वेषक: जम्मू डिवीजन में जेकेएससीएसटीबीसीडीसी योजना का प्रभाव आकलन, जेकेएससीएसटीबीसीडीई, जम्मू द्वारा प्रायोजित. रु. **4.70** लाख (पूर्ण और प्रस्तुत रिपोर्ट)।

सूक्ष्म विज्ञान और सामग्री विभाग

1. विभाग के संबंध में :

सूक्ष्म विज्ञान और पदार्थ की स्थापन्ना वर्ष 2016 में किया गए।

2. वर्ष के दौरान मुख्य उपलब्धियां:

ऑनलाइन एनपीटीई पाठ्यक्रम पर अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन

3. क्षेत्र भ्रमण का विवरण / उद्योगिक भ्रमण / शैक्षिक भ्रमण

1. शैक्षिक भ्रमण **-** जम्मू से जयपुर**, 20-21,** फरवरी **2020**

4. **अभिविन्यास कार्यक्रम का विवरण / संकाय सदस्य की उपस्थिती**

डॉ. तनुज कुमार :

14-18 अक्तूबर 2019 को आईओटी पर संकाय विकास कार्यक्रम में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय**,** जम्मू ने भाग लिया।

डॉ. विशाल सिंह :

यूजीसी प्रायोजित द्वारा पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

डॉ. प्रगति कुमार द्वारा

01 अभिविन्यास और **01** पुनश्चर्या पाठ्यक्रम।

डॉ. पवन कुमार

जनवरी **03-09, 2020** में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यालय**,** ने पी.एम.एम.एम.एन.एम.टी द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

5. संकाय उपलब्धियां 2019-2020.

डॉ. तनुज कुमार ने आंतरिक पत्रिकाओं में पांच शोध पत्र प्रकाशित किए और पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. प्रगति कुमार ने आंतरिक पत्रिकाओं में दो शोध पत्र प्रकाशित किए और रिफ्रेशर कोर्स में भाग लिया।

6. **संकाय ने सम्मेलन और कार्यशालाओं** (2019-2020) **में भाग लिया।**

डॉ. तनुज कुमार :

1. **14** से **18** अक्तुबर, **2019** तक जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू में आईओटी पर संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
2. आयन बीम (आईसीएनआईबी-**2019)** आईजीएआर, कलपक्कम, **6-8, 2019** द्वारा नैनोस्ट्रक्चरिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
3. ऊर्जा, पर्यावरण और सतत विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (ईईडी-2019), 31 जुलाई 2019 में भाग लिया ।

डॉ. विशाल सिंह

पुणे में **1** और **2** मार्च **2020** को उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल) द्वारा विस्फोटक पहचान पर दूसरी राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. प्रगति कुमार:

वायु परिवेश दबाव मल्टीफोनर रमन मोड की ब्लीचिंग प्रेरित।

प्रगति कुमार, नुपूर सक्सेना, और विनय गुप्ता।

एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई, भारत, **28- 30,**जनवरी **2019** में "सुक्ष्म विज्ञान और सूक्ष्म प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (**ICONN-2019)"** प्रस्तुत किया गया ।

डॉ. पवन कुमार

1. जनवरी **03-09, 2020** से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, के शिक्षा विद्यालय, द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।
2. पवन कुमार, मोबाइल बैटरी खर्च अपशिष्ट और जेडआईएफ **-67** में रूपांतरण से सह-धातु आयनों का पृथक, पेरिस, फ्रांस, में अक्टूबर **27-30, 2019,** यूरो-**MOF- 2019** में प्रस्तुत किया गया
3. **13-14** फरवरी, **2020** को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित होने वाले "नेक्स्ट-जेन फॉर हेल्थ केयर" पर एक वैश्विक शिखर सम्मेलन - "नेक्स्ट-जेन फॉर हेल्थ केयर" पर एक वैश्विक शिखर सम्मेलन- एल्डिहाइड्स सेंसिंग के लिए **β**-सीडी मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क" को मंजूरी दी गई है।
4. साहिल शिवगोत्रा, पवन कुमार, "इमिडाजोल **4.5-** डाइकार्बोक्सीलेट आधारित एमओएफ" के संश्लेषण और विश्लेषण को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आइकॉनिका **2020** में पोस्टर प्रस्तुति के लिए मंजूरी दी गई है **- 13-14** फरवरी, **2020** को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित होने वाले "नेक्स्ट-जेन फॉर हेल्थ केयर" पर एक वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

7. संकाय प्रकाशन

डॉ तनुज कुमार:

1. संशोधित पी. ई. डी. ओ. टी (PEDOT) का अध्ययन : पीएसएस फॉर टूनिंग दी ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज ऑफ़ इटिस कंडक्टिव थिन फिल्म्स।

वी. सिंह, टी. कुमार

विज्ञान पत्रिका : : Advanced Materials and Devices 4 (4), 538-543, 2019

2. Size dependent morphology, magnetic and dielectric properties of BiFeO3 nanoparticles एन शीरान, एम सैनी, ए कुमार, वी कुमार, टी कुमार, एम शीरान एमआरएस एडवांस 4 (28-29), 1659-1665, २०१९
3. Nano-patterning on Si (100) surface under specific ion irradiation environment आरपी यादव, जे मलिक, जे यादव, एके मित्तल, टी कुमार एमआरएस एडवांस 4 (28-29), 1673-1682, 2019 के तहत एसआई (100) सतह पर नैनो पैटर्निंग
4. Al2O3-Water Nanofluids for Heat Transfer Application एल फोर, टी कुमार, एम सैनी, वी कुमार एमआरएस एडवांस 4 (28-29), 1611-1619, 2019 के लिए पानी नैनोफ्लुइड्स
5. SHI induced evolution of surface and wettability of BaF2 thin films आरके पांडे, टी कुमार, यूबी सिंह, एस अवस्थी, एसी पांडे एमआरएस एडवांस 4 (28-29), 1667-1672, 2019

डॉ. विशाल सिंह :

1. Structural and Magnetic Investigations of Yb Substituted Y1-xYbxBaCo4O7 ($0 \leq x \leq 0.5$) Compound**,** भरत सिंह**,** नरेश कुमार**,** विशाल सिंह**,** रेवेनर टिकू**,** एनके गौड़ और अजय सिंह**,** इंटीग्रेटेड फेरोइलेक्ट्रिक्स**,** 203:1**,** 97-107

डॉ. प्रगति कुमार

1. CdS nanodroplets over silica micro balls for efficient room temperature LPG detection
   नुपूर सक्सेना, प्रगति कुमार, और विनय गुप्ता
   नैनोस्केल एडवांस ***1 (2019) 2382-2391***
   प्रकाशक*:* रॉयल सोसायटी ऑफ केमिस्ट्री, आईएसएसएन*: 2516-0230,*

2. Vital role of Ar-ambient pressure in controlled properties of nanocrystalline CdS thin films
   प्रगति कुमार, नुपूर सक्सेना, और विनय गुप्ता
   Journal of Materials Science: Materials in Electronics 31 (2020) 6755-6763
   प्रकाशक*:* स्प्रिंगर, आईएसएसएन*:* 1573-482X**, प्रभाव कारक*:*** 2.195

डॉ. पवन कुमार

- रारोट्रा एस., साहू एस., कुमार पी, किम के-एच,, लिसाक जी (२०२०) Progress and Challenges on Battery Waste Management: ACritical Review । रसायनचिकित। प्रेस में. जूनियर

- कुमार पी, किम के-एच, ली जे, शांग जे, खाजी एमआई, कुमार एन, लिसाक जी (२०२०) Metal-organic framework for sorptive/catalytic removal and sensing applications against nitroaromatic compounds। जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड इंजीनियरिंग केमिस्ट्री, ८४, 87-95 (एससीआई- **प्रभाव कारक** -४.९)।
- बंसल वी., हाशमी बी, रजा एन., किम के-एच., रजा डब्ल्यू, कुमार पी., ब्राउन आरजेसी (2020) Review of the analytical methods for and clinical impact of additives and flavors used in electronic cigarettes Exposure and Health, DOI: https://doi.org/10.1007/s12403-019-00331-x इन प्रेस (एससीआई-प्रभाव कारक - 4.5)
- कुमार पी, एस रारोटा, एल जीई, जी लिसाक, किम के एच (२०२०) The advanced sensing systems for NOx based on Metal-organic frameworks: Applications and future opportunities, Trends in Analytical Chemistre, १२२, ११५७३० (SCI-प्रभाव कारक-८.४३)
- कुमार पी, वेजेरानो ई., खान ए, लिसाक जी, Ahn जे एच, किम के एच (२०१९) Metal organic frameworks (MOFs) : Currents trends and challenges in control and management of air quality application, कोरियाई जर्नल ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग 36 (11), 1839-53। (आमंत्रित कागज)
- कुमार पी, आनंद बी, सांग वाई एफ, किम केएच, खुल्लर एस, वांग बी (२०१९) Regeneration, Degradation, and Toxicity Effect of MOFs: Opportunities and Challenges। पर्यावरण अनुसंधान. 176, 108488 (विज्ञान प्रभाव कारक - 4.73)
- कुमार पी,, किम के-एच,, मेहता पीके, जीई एल, लिसाक जी (2019) Progress and challenges in electrochemical sensing of volatile organic compounds using metal-organic frameworks 1-33 (एससीआई-प्रभाव कारक -7.68)
- अज्जोज ए, कैलासा एस के, कुमार पी, बैलेस्टेरोस ई. (2019) Advances in functional nanomaterial-based electrochemical techniques for screening of endocrine disrupting chemicals in various sample matrices. Trends in Analytical Chemistry। 113, 256 -279 (विज्ञान प्रभाव कारक: 7.04)
- अज्जोज ए, कैलासा एस के, कुमार पी, बैलेस्टेरोस ई. (2019), Advances in functional nanomaterial-based electrochemical techniques for screening of endocrine disrupting chemicals in various sample matrices. Trends in Analytical Chemistry . प्रेस में. (विज्ञान प्रभाव कारक: 7.04)
- येन थी ट्रान, जेचन ली, पवन कुमार, की-ह्यून किम, गाया तो ली (२०१९) Natural zeolite and its application in concrete composite production, Composite Part B - Engineering १६५, 354-364 (विज्ञान प्रभाव कारक: ४.९)।

8. अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

तनुज कुमार :

(1) Fabrication and electron transport characteristics of silicon nanowires, एसईआरबी, नई दिल्ली सरकार, नैनोसाइंस एंड मैटेरियल्स 2016 14.7 लाख 3 साल

(2) Importance of Amorphous/Crystalline Interface in Nanoscale Surface Pattering of Silicon 2016, 6 लाख के नैनोस्केल सरफेस पैटरिंग में अमोर्फस/क्रिस्टललाइन इंटरफेस का महत्व

डॉ. विशाल सिंह :

(1) Development of multiferroic thin films for spintronic applications, यूजीसी-बीएसआर स्टार्ट-अप ग्रांट **10** लाख

डॉ. प्रगति कुमार

(1) " "Development of Nanostructures Based Optical Sensor " – यूजीसी स्टार्ट अप ग्रांट (10 लाख) - पूरा (2019) .

(2) "Fabrication of Inorganic/Organic Heterojunctions for Optoelectronic Devices" - एसईआरबी अर्ली करियर ग्रांट (40 लाख) - पूरा (2020) ।

(3) Ion beam induced modification of luminescence activators doped CdS thin films - आईयूएसी-यूएफआर (6 लाख) के संशोधन को प्रेरित किया- चल रहा है।

(4) Synthesis and Characterization of undoped/doped nanostructures- CUJ-Startup (2 लाख) - पूर्ण (2019)।

डॉ. पवन कुमार

(1) Application of water-stable metal organic frameworks (WMOF) for the detection of odorants and emerging pollutants/pesticides in wastewater, 52.77 लाख रुपये, 2019-2022 (चालू)

(2) एसईआरबी, दिल्ली Development of a novel sensing technique for organic pesticides in various media based on nanocrystal metal organic frameworks (NMOF) using parallel analysis with thermal desorption-gas chromatography-mass spectrometry (TD-GC-MS) 50.28 लाख रुपये, 2019-2021 यूजीसी, दिल्ली (ऑन-गो)

(3) नैनोक्रिस्टल मेटल ऑर्गेनिक फ्रेमवर्क का उपयोग करके विभिन्न वास्तविक मीडिया में वीओसी के लिए उपन्यास व्यावहारिक संवेदन तकनीक, 10.00 लाख रुपये, 2017- आगे (ऑन-गो)

मानव संसाधन प्रबंधन विभाग और संगठनात्मक व्यवहार

1. विभाग के संबध में

मानव संसाधन प्रबंधन और संगठनात्मक व्यवहार विभाग पूर्णकालिक पीएचडी (मानव संसाधन प्रबंधन), पीएचडी व्यवसाय) (प्रशासन, एमबीए (मानव संसाधन प्रबंधन), एमबीए, बी बैंकिंग एंड) वॉक.और बी (खुदरा प्रबंधन) वॉक.फाइनेंशियल सर्विसेज (कार्यक्रम पेश कर रहा है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सामान्य और एचआरएम, विपणन, खुदरा प्रबंधन और बैंकिंग उद्योग के लिए प्रासंगिक बहुआयामी कौशल से लैस करना है ताकि बदलते हुए चुनौतीपूर्ण सामाजिक व्यावसायिक परिदृश्य की जरूरतो /ं को पूरा किया जा सके।

एचआरएम और ओबी विभाग ने 2012 में युवा लड़के और लड़कियों को प्रशिक्षण देने के इरादे से काम करना शुरू किया था, जो एचआरएमबैंकिंग उद्योगों की प्रशासनिक/फाइनेंस/रिटेल मैनेजमेंट/गमार्केटिं/, प्रबंधकीय और उद्यमशीलता की चुनौतियों को उठाने के लिए सबसे उपयुक्त होंगे। इन कार्यक्रमों में सामान्य प्रबंधन और उद्योग चालित पाठ्यक्रम को शामिल किया गया है जो छात्रों को वाणिज्यिक व्यावसायिक घरानों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की सेवा के लिए विश्लेषणात्मक, रणनीतिक और नीतिनिर्माण - कौशल से लैस करता हैै । ट्रांजैक्शनल शिक्षाशास्त्र में विभिन्न उत्कृष्टता केंद्रों के अधिकारियों और वरिष्ठ संकाय सदस्यों द्वारा आयोजित लगातार सेमिनारों और कार्यशाला के माध्यम से केस प्रस्तुतियों, समूह चर्चा और वास्तविक जीवन की स्थिति के संपर्क के माध्यम से सक्रिय छात्र भागीदारी के साथ इंटरैक्टिव कक्षा सत्र शामिल हैं। पाठ्यक्रम और शिक्षण शिक्षाशास्त्र ध्यान से अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और तेजी से बदलते व्यापार के माहौल के अनुरूप करने के लिए तैयार कर रहे हैं। उत्कृष्टता के लिए ड्राइविंग की खोज में, विभाग ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन, एआईसीटीई अनुमोदन प्राप्त करने, शीर्ष उद्योगअकादमिक निकायों की सदस्यता प्राप्त करने / सहयोग पाठ्यक्रम-शिक्षा-पहल की हैं। उद्योग और विभिन्न संगठनों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करके कई, शिक्षुता और प्लेसमेंट की आवधिक समीक्षा की सुविधा प्रदान करता है विभाग द्वारा पेश किए गए कार्यक्रमों के अकादमिक पैकेज में सभी पाठ्यक्रमों में छात्रों के इंटर्नशिपशिक्षा संबंधी -उद्योग/टपाठ्यक्रम असाइनमें/साप्ताहिक क्लब गतिविधियों/सलाह/ फील्ड एक्सपोजर पर ध्यान केंद्रित करने के साथ अनुभवात्मक और परियोजना/उद्योग/बातचीतआधारित अधिगम शामिल है।

विभाग छात्रों को व्यावसायिक पारिस्थतियों को स्थापित कॉर्पोरेशन केई अनुरूप उन्हें हल करने तथा तैयार करने में विश्वास रखता हैं। अध्ययन कक्ष के अंदर और बाहर दोनों जगह होता हैं, इसलिए प्रौद्योगिकी मुख्य संस्कृति में बडी भूमिका निभाती हैं, और इसलिए वैश्विक जोखिम, परियोजना प्रबंधन, महत्वपूर्ण तर्क और व्यावसायिक संचार कौशल हैं। एमबीए)HRM) विभाग अनुभावात्मक शिक्षण के अवसरों, इंटर्नशिप, पाठ्यक्रम असाइनमेंट,उद्योगअकादमी बातचीत और अन्य उद्योग संचालित परियोजनाओं के माध्यम - से इस सब पर ज़ोर देता हैं।

2. वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां

- 03 छात्रों ने यूजीसी नेट-2019 (जून और दिसंबर, 2019) उत्तीर्ण किया
- 2019-20 के दौरान इंटर्नशिप और प्लेसमेंट के अच्छे ट्रैक रिकॉर्ड।

विभाग ने इस वर्ष कारपोरेट घरानों से अच्छी प्रतिक्रिया देखी है और कोविड-19 प्रकोप से शुरू हुई आर्थिक मंदी के बावजूद 10 लाख रुपये के अधिकतम वार्षिक पैकेज के साथ प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट घरानों में छात्रों की इंटर्नशिपधन करने में सफल रहा है।प्लेसमेंट का प्रबं/

इस शैक्षणिक सत्र के दौरान 40 प्रतिशत से अधिक ने ऑनलाइन मोड में पेड इंटर्नशिपग्रीष्मकालीन परियोजनाओं का पीछा किया। / । विभाग केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के साथ मिलकर काम करता है जो छात्रों और संगठनों के बीच मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है

3. विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय सेमिनार/अन्य कार्यक्रम पर रिपोर्ट

- डिजिटल मार्केट स्पेस**, 11-14,** दिसंबर **2019** में निष्पक्ष व्यापार प्रथा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला
  जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के एचआरएम एंड ओबी विभाग ने कश्मीर विश्वविद्यालय के गांधी भवन में 11 से 14 दिसंबर, 2019 से डिजिटल मार्केट स्पेस में निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम को उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया था । संगोष्ठी और कार्यशाला में सीएपीडी, वैध मेट्रोलॉजी, विश्वविद्यालय, कॉलेज और स्कूलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया । सम्मेलन के दिनों में पूर्ण चर्चा और तकनीकी सत्र आयोजित किए गए, जिसके बाद दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला हुई जिसमें राष्ट्रीय ख्याति के संसाधन व्यक्तियों द्वारा व्याख्यान दिए गए । जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के एचआरएम एवं ओबी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ गौहर रसूल को उपभोक्ता मामलों मंत्रालय द्वारा स्वीकृत परियोजना के तत्वावधान में आयोजित की जा रही श्रृंखला में यह दूसरा संगोष्ठी और कार्यशाला थी ।

- **एक्तर :2020**
  25 फरवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानव संसाधन प्रबंधन विभाग और संगठनात्मक व्यवहार व्यवसाय अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित एक्तर 2020 वार्षिक उद्यमी उत्सव मनाया गया ।
  इसमें फूड स्टॉल्स, गेम जोन और टैलेंट शो का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों को स्मार्ट निवेश सीखने का मौका दिया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों के लिए बाजार के वास्तविक परिदृश्य का अनुकरण किया और उन्हें उद्यमशीलता कौशल से परिचित होने में मदद की। यह उत्सव छात्रों के बीच उद्यमशीलता विचार प्रक्रिया की भावना को पोषित करने का प्रयास था ।

- **उपभोक्ता संरक्षण एवं कल्याण विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 1 से 2 मई, 2019 तक**
  जम्मू केंद्रीय विश्वविदयालय के स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज ने माननीय कुलपति प्रो अशोक ऐमा के मार्गदर्शन में उपभोक्ता संरक्षण एवं कल्याण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी)1-2 मई, 2019) का आयोजन किया । दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्देश्य शिक्षाविदों, विद्वानों, व्यापार पेशेवरों, प्रवर्तन एजेंसियों और क्षेत्र और राष्ट्र के अन्य हितधारकों के बीच ज्ञान प्रसार और चर्चा के लिए एक मंच तैयार करना है । सम्मेलन में शोधकर्ताओं और विद्वानों से 50 से अधिक शोध पत्र प्राप्त करने वाले बौद्धिक पूल का गठन किया गया । संगोष्ठी में देश के सूचीबद्ध प्रतिनिधियों के साथ विषयगत क्षेत्रों पर पैनल चर्चा भी देखी गई ।

- **उपभोक्ता कल्याण और संरक्षण पर क्षमता निर्माण कार्यशाला - 3 - 4 मई 2019**
  मानव संसाधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग द्वारा 3-4 मई 2019 को उपभोक्ता कल्याण एवं संरक्षण पर क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा मानव संसाधन और ओबी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ कृत परियोजना का विस्तार था ।गौहर रसूल को स्वी.कार्यशाला में सीएपीडी, कानूनी मौसम विज्ञान, क्षेत्र के विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के संकाय और विद्वानों के प्रतिनिधियों ने ईप्लेटफार्मों का उपयोग करते हुए शिकायत निवारण तंत्रों -

छ प्रमुख परिदेय में उपभोक्ता औपर ध्यान केंद्रित किया। कार्यशाला के कुर बाजार, उपभोक्ताओं की अवधारणा के साथ बाजारों का उदारीकरण और वैश्वीकरण, भारतीय बाजार, जीएसटी आदि के संदर्भ में ईकॉमर्स शामिल थे।- कार्यशाला के लिए आए साधन व्यक्ति में आईआईएम अहमदाबाद से डीवाई किचलू.पी एस.एस., एमआर अमित शर्मा., केएस.ए., प्रो अमिताभ कुंडू, आरएस.आई., नई दिल्ली, ए जायसवाल शामिल थे।

4. विभाग में आयोजित एक्सटेंशन लेक्चर सीरीज पर महीनेवार रिपोर्ट

- 26 फरवरी 2020 को 'उभरती अर्थव्यवस्थाओं में 'विपणन प्रथा'' विषय पर प्रोएन किशोर द्वारा वार्ता सत्र का आयोजन किया . ।गया था
- 27 फरवरी 2020 को 'व्यापार संगठन में नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने में नेतृत्व की भूमिका' विषय पर प्रोआई हक .एम. द्वारा वार्ता सत्र का आयोजन किया गया था।

5. विभाग द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम पर माहवार रिपोर्ट

युवा छात्रों को पर्यटन, खुदरा प्रबंधन, बैंकिंग और वित्त और अन्य कैरियर रास्ते जैसे आगामी व्यवसायों के बारे में जागरूक करना के लिए डॉ वरुण अबरोल ने राया सुचानी गांवों के नजदीक स्कूलों में अभियान चलाया। छात्रों को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा पेश किए गए विभिन्न व्यावसायिक कार्यक्रमों और इसके लिए प्रवेश प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया।

6. क्षेत्र भ्रमण शैक्षणिक भ्रमण का विवरण / औद्योगिक भ्रमण /

बीवॉक विभाग ने खुदरा प्रबंधन के छात्रों को बिग बाजार., पैंटालून, ब्रांड फैक्ट्री के साथ लाइव प्रोजेक्ट शुरू किए हैं। कार्य करने पर प्रशिक्षण एक सप्ताह की अवधि की थी जहां छात्रों को खुदरा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्र से अवगत कराया गया था।

7. वर्ष के दौरान संकाय उपलब्धियां 2020- 2019

डॉ गौहर रसूल को सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय से फैलोशिप मिली .।

8. अन्य सुसंगत सूचना

05 अभ्यर्थियों को पीएचडी की उपाधि दी गई।

9. संकाय ने संगोष्ठी, और सम्मेलन में भाग लिया (2019-2020).

- डॉजया भसीन ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज द्वारा उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण विषय पर . आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉनीलिका अरोड़ा ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज द्वारा उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण पर . आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ नीलिका अरोड़ा ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम शामिल हुए।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज द्वारा उपभोक्ता संरक्षण एवं कल्याण पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं क्षमता निर्माण कार्यशाला में डॉ शाहिद मुश्ताक ने भाग लिया।

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में डॉशाहिद मुश्ताक ने भाग लिया। .
- सुश्री अंजलि पठानिया ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज द्वारा उपभोक्ता संरक्षण एवं कल्याण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित आईसीआरआईसीएस -2019 सम्मेलन में श्री आसिफ अली ने भाग लिया।
- श्री आसिफ अली ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज द्वारा उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।
- डॉ गौहर रसूल ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज द्वारा उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।
- सिंगापुर के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में प्रायोगिक प्रणाली पर 2 सप्ताह की कार्यशाला में डॉगौहर रसूल ने भाग लिया। .
- डॉ वरुण अबरोल ने जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज द्वारा उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और क्षमता निर्माण कार्यशाला में भाग लिया।

10. संकाय प्रकाशन

- अरोड़ा, एन और लता, एस सूचना दत्तक ग्रहण मॉडल :ने यूट्यूब चैनल गंतव्य यात्रा इरादों पर प्रभाव (2020), जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च, इमेरलड प्रकाशनों के आधार पर एक अनुभवजन्य विश्लेषण।
- गुप्ता. ए, धीमान. एन. यूसुफ. ए और अरोड़ा, एन सामाजिक तुलना और स्मार्ट फिटनेस पहनने यो (2020)ग्य का सतत इरादा : एक विस्तारित उम्मीद पुष्टि सिद्धांत परिप्रेक्ष्य, व्यवहार और सूचना प्रौद्योगिकी, टेलर और फ्रांसिस।
- पठानिया, ए एंड रसूल, जी)2019) । प्रभावी अस्पताल प्रशासन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थकेयर क्वालिटी एश्योरेंस, एमराल्ड प्रकाशनों के लिए बिजली शैलियों और व्यवहार अनुपालन की जांच करना।
- अली, ए एंड भसीन, जे)2019कथित मूल्य :कॉमर्स में ग्राहक पुनर्खरीद इरादा समझना-। ई (, वितरण गुणवत्ता और कथित मूल्य की भूमिका, जिंदल जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, ऋषि (स्कोपस)
- अली, ए एंड भसीन, जे)2019) सहस्रार में उद्यमशीलता के इरादे, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग,
- अली, ए एंड भसीन, जे लर्जर कथित संतुष्टि में सूचना -ई :लर्निंग के लिए सूचना प्रणाली हस्तक्षेप का एक मॉडल-ई (2019) प्रणाली हस्तक्षेप का एक अनुभवजन्य विश्लेषण, इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स, स्प्रिंगर।
- धीमान.एन, अरोड़ा.एन, डोगरा.एन और गुप्ता.ए, (2019) स्मार्टफोन फिटनेस ऐप्स का उपभोक्ता अपनाना एक विस्तारित : 2 -यूटीएयूटी परिप्रेक्ष्य, जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च, एमराल्ड प्रकाशन।
- भसीन. जे, मुश्ताक. एस, गुप्ता. एस)2019एक अनुभवजन्य सबूत : ब्रांड के माध्यम से कर्मचारियों को उलझानेनियोक्ता (, प्रबंधन और श्रम अध्ययन, 44 (4), 417-432, ISSN: 0258-042X। ऋषि
- भसीन.जे, मुश्ताक. एस और सुजान. बी)2019) मानव संसाधन कार्यों के हस्तांतरण और भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में संगठनात्मक प्रतिबद्धता में पारस्परिक ट्रस्ट की मध्यस्थता भूमिका, इंडियन जर्नल ऑफ कॉमर्स, 72 (3&4), 177-198, ISSN:0019512

11. अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

- डॉ. गौहर रसूल ने 31.25 लाख मूल्य के उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के तहत फील्ड मैपिंग और उपभोक्ता संरक्षण और कल्याण परियोजना का विकास किया।

आणविक जीवविज्ञान के लिए केंद्र

1. विभाग के संबंध में

आणविक जीव विज्ञान केंद्र का उद्देश्य बुनियादी के साथ जैविक विज्ञान में अनुसंधान करना है और इस ज्ञान का उपयोग जैविक दुनिया की हमारी समझ को आगे बढ़ाने और मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए किया जाता है। हमारा मिशन एक उच्च प्रतिस्पर्धी अनुसंधान और शिक्षण वातावरण बनाना है जो छात्रों को और साथ ही संकाय सदस्यों को जैविक विज्ञान के इस क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने में मदद करेगा। इस केंद्र की शिक्षण बिरादरी सामूहिक रूप से और व्यक्तिगत रूप से उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने और शिक्षण और अनुसंधान के उच्चतम मानक को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र के उद्देश्य आधुनिक जीव विज्ञान के प्रमुख क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी अनुसंधान और प्रशिक्षण का संचालन करना है, और जीव विज्ञान के अंतरअनुशासनात्मक क्षेत्रों - में नई और आधुनिक तकनीकों के लिए केंद्रीकृत सुविधाओं को बढ़ावा देना है।

2. जागरूकता कार्यक्रम

महीना	जागरूकता कार्यक्रम	विषय
28 फरवरी 2020	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2020	विज्ञान में महिलाएँ

3. 2019-2020 के दौरान फैकल्टी उपलब्धियां।

डॉ अवधेश भट सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन पुरस्कार : 2019

4. संकाय प्रकाशन

मुश्ताक अहमद

लेखक का नाम मुख्य) लेखक तो (लेखक-सह	अनुच्छेद पुस्तक / शोध पत्र / कोई अन्य / अध्याय	प्रकाशक का नाम	पत्रिका / / पत्रिका पुस्तक का नाम	आईएसएसएन/ आईएसबीएन नहीं	प्रकाशन का वर्ष
रजाक हुसैन, रोली यादव, मुश्ताक अहमद, तबरेज अहमद	इन्टर्प्ले बीट्वीन टू स्पिन स्टेट्स डेटर्मिनेस द हाइड्रॉक्सिलेशन कटलयाजेड बाइ P450 मोनोऑक्साइडजेस	कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान के जर्नल	साप्ताहिक	0175-7598	2020

खान, देवेश कुमार और यूसुफ अख्तर, 2020					
रजाक हुसैन, मुश्ताक अहमद, तबरेज अहमद खान और यूसुफ अख्तर	फंगल P450 मोनोऑक्सीजेनसेस-कैटेलिसिस में विविधता और जैव नियंत्रण गतिविधि में उनकी आशाजनक भूमिका	एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी और जैव प्रौद्योगिकी	कोंपल	0175-7598	2020
शिखा शर्मा, मुश्ताक अहमद और यूसुफ अख्तर	फंगल एसिटाइलट्रांसफेरेज़ संरचनाएं, तंत्र और अवरोधकएक समीक्षा :	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोलेक्युलस	इलसेवियर	0141-8130	2019
शिखा शर्मा, मुश्ताक अहमद और यूसुफ अख्तर	ट्राईसोर्सेटल रेगुलेटर और ट्राईकोथेसीन बायोसिंथेसिस के डाउन रेगुलेशन के बीच टाइरसोल बंधन के बीच आणविक लिंक।	ब्योकिमी	इलसेवियर	0300-9084	2019

डॉ अवधेश भट

लेखक का नाम मुख्य) लेखक तो -सह (लेखक	**अनुच्छेद शोध / / पत्रपुस्तक अध्याय कोई / अन्य**	**प्रकाशक का नाम**	**पत्रिका पुस्तक का नाम / पत्रिका /**	**आईएसएसएन /आईएसबीएन संख्या**	**प्रकाशन का वर्ष**
राजेश्वर सिंह जम्वाल,	*REV3L* जीन वैरिएंट्स	कोंपल	बीएमसी मेडिकल जेनेटिक्स	1471-2350	2020 (प्री-

निकिता महाजन, घा। रसूल भट, अमृता भट, भानु शर्मा, रूचि शाह, मिनर्वा शर्मा, सोनाली वर्मा, दिव्या बख्शी, राहुल शर्मा, दीपक अबरोल, राकेश कुमार, औदिश भट	rs1002481, rs462779, और rs465646 जम्मू और कश्मीर की आबादी में गैरछोटे - सेल फेफड़ों के कैंसर के लिए बढ़ती संवेदनशीलता के लिए नेतृत्व।				(प्रिंट
ली एल, मंगली एस, कौर एन, दसारी डी, शर्मा वी, धर ए, भट ए	सियाजियम क्यूमिनी निकाला (जामुन) क हुआ फल ओवो कैंसर कोशिकाओं -पर एंटी प्रोलिफ़ेरेटिव प्रभाव डालता है। जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स	मेडकोन प्रकाशन	जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स	19984 138	2020
मंगली एस, भट ए, जाधव के, कालरा जे,	पीकेआर के मार्ग का अपचयन ग्लूकोलिपोटॉक्सिसी टी प्रेरित डायबिटिक	इल सिवर	बायोकेमिकल पी हार्मोसोलॉजी	00062 952 है	2020

श्रीराम डी, वेणुगांती वीवी, धार ए	कार्डियोमायोपैथी विवो में विस्टार चूहों में और इन विट्रो इन कल्चुरेटेड कार्डियोमायोसाइट्स में करता है।				
कालरा जे, मंगली एस, भट ए , जाधव के, धार ए।	PKR के चयनात्मक निषेध संवहनी सूजन और उच्च fructose इलाज प्राथमिक संवहनी चिकनी मांसपेशियों की कोशिकाओं में रिमोडलिंग में सुधार	इल सिवर	बायोचिमिक एट ए बी आईओफिसिका ए सीटीए- एम ऑलेक्यूलर बी एसिस ऑफ डी आइसेज़	09254 439	2020
	टीपी63 की आनुवंशिक भिन्नता rs10937405 और उत्तरभारतीय - -जनसंख्या में गैर छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर के जोखिम के लिए संवेदनशीलता	कोंपल	जेनेटिक की पत्रिका	09737 731	2019
वर्मा एस, बख्शी डी, शर्मा वा, शर्मा आई, शाह आर, भट ए, भट जी, शर्मा	डीएनएएच11 और एलआरएफएन 2 जीन की आनुवंशिक बहुरूपता और भारत में जम्मू और कश्मीर की आबादी	विले	इंटरनेशनल जर्नल स्त्री रोग और प्रसूति	18793 479	2020

बी, वखलू ए, कौल एस, हीर वी, भट ए , अबरोल दीपक, वर्मा विजेश्वर, और कुमार राकेश।	में डिम्बग्रंथि और स्तन कैंसर के साथ उनकी एसोसिएशन				
कालरा जे, मंगली एसबी, दसारी डी, भट ए , गोयल एस, धर I, श्रीराम डी, धार ए।	एस जी एल टी आई मधुमेह से संबंधित कार्डियोमायोपैथी के लिए वरदान या बैन है	विले	मौलिक और सी लाइनिकल पी हार्मोसोलॉजी	07673 981	2019
वर्मा एस, शर्मा वी, नागपाल ए, भट ए, भट जीआर, शाह आर, वखलू ए, सूरी जे, अबरोल, डी, कौल एस, भट ए, वर्मा वी, कुमार आर।	जम्मू की आबादी में ओवेरियन कैंसर के लिए संवेदनशीलता के साथ डीएनए बेस एक्सिस रिपेयर रिपेयर जीन वेरिएंट rs25487 (एक्सरे - -रिपेयर क्रॉस कॉम्प्लिमेंट्स टिंग 1) और rs1052133 (मानव 8-ऑक्सोगुआनिन ग्लाइकोसिले 1)।	मेडकोन प्रकाशन	जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स	19984 138	2019

मंगली एस, भट ए, उडुमूला, एमपी, श्रीराम डी, धार I, धार ए।	संवर्धित H9C2 कार्डियोमायोसाइट्स में JNK / NF / kB / NLR P3 मार्ग के माध्यम से प्रोटीन कीनेज R का अवरोध पामिटिक एसिड से प्रेरित सूजन, ऑक्सीडेटिव तनाव और अपोप्टोसिस से बचाता है।	विले	जर्नल ऑफ सी इल्लुलर बी इओकेमिस्ट्री	07302 312	2019
जसप्रीत कालरा, वंदना कृष्णा, बोल्लाडी एसवी रेड्डी, आरती धर, वेंकट वीके वेणुगांती, ऑडेश भट	मेडिकल इमेजिंग में नैनोकणों पुस्तक) (अध्याय	इलसिवर	विश्लेषणात्मक और चिकित्सा उपकरणों में नैनोकणों	9780128211632	

डॉ अशोक कुमार यादव

लेखक का नाम मुख्य लेखक तो) (लेखक-सह	अनुच्छेद पुस्तक / शोध पत्र / कोई अन्य / अध्याय	प्रकाशक का नाम	पत्रिका / पुस्तक / पत्रिका का नाम	आईएसएसएन / आईएसबीएन नहीं	प्रकाशन का वर्ष
एम कुमार, एस शुभम, एके यादव , बी सिंह	पर्यावरणविदों के रूप में एंटीबायोटिक प्रतिरोध जीन का प्रसारएक सार्वजनिक स्वास्थ्य : खतरा (पुस्तक अध्याय(	नोवा विज्ञान प्रकाशक	एडवांस पर्यावरणीय स्वास्थ्य में हाल की प्रवृत्ति	978-1-53615-661-4	2019
एस पंवार, एस जैन, केएस दुग्गीराला, एके यादव , ए कुमार	प्रोफ़ायोटिक फ़ंक्शनलफूड्स का विकास ह्यूमनहेल्थ और रोग प्रबंधन के लिए नोवेल अटेंशन के रूप में (पुस्तक अध्याय(	"दया प्रकाशन हाउस® का एक प्रभाग सूक्ष्म अंतर्राष्ट्रीय प्रालिमिटेड नई दिल्ली - 110 002 "	मानव जाति और अनुप्रयोग के लिए सूक्ष्मजीव	978-93-89569-01-8	2020

प्रवीण मेहता

लेखक का नाम मुख्य लेखक तो) (लेखक-सह	अनुच्छेद / शोध पत्र / कोई / पुस्तक अध्याय अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका / पत्रिका / पुस्तक का नाम	ISSN / आईएसबीएन। नहीं।	प्रकाशन का वर्ष
कुमार पी; किम कश्मीर; मेहता पीके; लिसाक, एलजी।	विद्युत में प्रगति और चुनौतियां धातुकार्बनिक चौखटे का - उपयोग करके वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों का संवेदन।	टेलर और फ्रांसिस	कृयेटिवरेव पर्यवरण विज्ञान तकनीक	1064-3389	2019
मेहता पीके, सहगल एस	खाद्य प्रसंस्करण में माइक्रोबियल एंजाइम	कोंपल	कोंपल	978-3-030-25022-5	2019

डॉ शैली सहगल

लेखक का नाम मुख्य लेखक तो) (लेखक-सह	अनुच्छेद / शोध पत्र / कोई / पुस्तक अध्याय अन्य	प्रकाशक का नाम	पत्रिका / / पत्रिका पुस्तक का नाम	ISSN / आईएसबीएन। नहीं।	प्रकाशन का वर्ष
मेहता पीके, सहगल एस	खाद्य प्रसंस्करण में माइक्रोबियल एंजाइम	कोंपल	कोंपल	978-3-030-25022-5	2019

5. अनुसंधान परियोजनाओं का विवरण

परियोजना अन्वेषक और सहअन्वेषक - का नाम	अनुसंधान परियोजना का शीर्षक	निधीयन एजेंसी	परियोजना का कार्यकाल	प्रमुख अनुसंधान परियोजना / लघु अनुसंधान परियोजना	स्थिति	
					चल रही है	समापन की तिथि
डॉ अशोक यादव	कोलोरेक्टल कैंसर रोगियों की तुलनात्मक आंत माइक्रोबायोम रूपरेखा और जम्मू और कश्मीर की आबादी के स्वस्थ मानव आंत	यूजीसीप्रारंभ - हुआ	2 साल	प्रमुख	चल रही है	
डॉ अशोक यादव	काउंटर पेट रोगजनकों हेलिकोबैक्टर पाइलोरी और साल्मोनेला टाइफिम्यूरियम के लिए स्वदेशी प्रोबायोटिक लैक्टोबैसिलस पर Divalent Hsbp-OmpA प्रोटीन की कोशिका की सतह का प्रदर्शन	ईसीआरए - एसईआरबी नई दिल्ली	3 साल	प्रमुख	चल रही है	
सह पीआई डॉ : अशोक यादव	टाइप 2 मधुमेह के प्रबंधन के लिए स्वदेशी प्रोबायोटिक लैक्टोबैसिलस पर पेप्टाइड -1 की तरह ग्लूकागन की सतह की अभिव्यक्ति	CRG-SERB नई दिल्ली	3 साल	प्रमुख	चल रही है	

डॉ अवधेश भट, डॉ अशोक यादव, डॉ प्रवीण मेहता	जम्मू और कश्मीर की आबादी से विभिन्न जठरांत्र कैंसर प्रकारों में आंत माइक्रोबायम की विशेषता और रूपरेखा	केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू	2 साल	नाबालिग	चल रही है	
पीआईडॉ : ऑडेश भट	मानव प्रजनन स्वास्थ्य	ICMR, नई दिल्ली	5 वर्ष	प्रमुख	चल रही है	
पीआईडॉ : ऑडेश भट	जम्मू और कश्मीर क्षेत्र में सबसे अधिक प्रचलित गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर में कैंसर में डीएनए पोलीमरेज़ ज़ेटा पोल)in) की भूमिका और रसायन विज्ञान की शुरुआत को समझना	यूजीसीप्रारंभ - हुआ	2 साल	प्रमुख	चल रही है	
पीआईडॉ : प्रवीण कुमार मेहता	उत्तरी भारत के थर्मल स्प्रिंग्स से औद्योगिक रूप से महत्वपूर्ण हाइड्रोक्सीमिक एसिड के उत्पादन के लिए एमाइड पर एसाइलेट्रांसफेर गतिविधि के लिए माइक्रोबियल अलगाव और स्क्रीनिंग।	SERB, नई दिल्ली	3 साल	प्रमुख	चल रही है	

तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र

1. विभाग के संबंध में

धर्म विज्ञान, निष्पक्ष और सही मायने में वैज्ञानिक तुलना पर आधारित है एवं सबसे महत्वपूर्ण, मानव जाति का धर्म, अब केवल समय का सवाल है। यह उन लोगों का कर्तव्य बनता है, जिन्होंने अपना जीवन विश्व के प्रमुख धर्मों के सिद्धांतों के अध्ययन में समर्पित किया है एवं जो इसे महत्व एवं आदर देते हैं सच्चे विज्ञान के नाम पर इस नए क्षेत्र पर अधिकार करने के लिए स्वयं को प्रस्तुत करते हैं। **तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र** इस देश में अपनी तरह के कुछ संस्थानों में से एक है और हम, जम्मू के केंद्रीय विश्वविद्यालय में, इसे चालू रखने पर गर्व है। केंद्र की स्थापना जुलाई, 2016 में की गई थी।

2. मिशन

विश्वविद्यालय के भीतर, धर्म को किसी भी एक परंपरा के लिए अकादमिक निष्पक्षता और पक्षपात के बिना प्रस्तावित किया जाना चाहिए। फिर भी, धर्म को उन लाखों विश्वासकर्ताओं के लिए संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ अध्ययन किया जाना चाहिए जिनका जीवन उनके विश्वास पर आधारित है। तुलनात्मक धर्म मानव जाति की आध्यात्मिक खोज की जांच करता है, विशेष रूप से क्योंकि यह दुनिया के जीवित धर्मों में व्यक्त हुआ है। इनमें हिंदू धर्म, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, ईसाई धर्म, इस्लाम सिख धर्म, यहूदी धर्म, और अन्य कम परिचित परंपराएं शामिल हैं। किसी भी अन्य शैक्षणिक अध्ययन विभिन्न धर्मों की उत्पत्ति, पवित्र लेखन, अनुष्ठानों, विश्वासों और धर्मों के संबंध में दुनिया के विचारों को अध्ययन के अन्य क्षेत्र के रूप में देखने के बजाय अपने संबंध में देखता है। केंद्र भारत के बहुसांस्कृतिक और बहु धार्मिक लोकाचार का जातिय संस्कार है।

3. विजन

तुलनात्मक, अंतर-अनुशासनात्मक, वैज्ञानिक, संवाद महत्वपूर्ण एवं विश्लेषणात्मक तरीकों को अपनाकर भारत के बहु-धार्मिक और सांस्कृतिक लोकाचार के अनुसंधान और व्यवस्थित अध्ययन का अग्रिम केंद्र बनना। विजन के एक भाग में बहुलतावाद के संदर्भ में सांप्रदायिक सद्भाव, आपसी प्रशंसा और सहिष्णुता की भावना को बढ़ावा देकर समाज को बदलना है। विजन में सांप्रदायिक सौहार्द, आपसी प्रशंसा और बहुवाद के संदर्भ में सहिष्णुता की भावना को बढ़ावा देकर समाज को बदलना है।

4. वर्ष के दौरान प्रमुख उपलब्धियां

2019 - 2020 में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करना

केंद्र ने चालू शैक्षणिक वर्ष में "शैववाद" पर सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया। नए शुरू किए गए पाठ्यक्रम के लिए 18 छात्र नामांकित हैं

5. सेमिनार/कार्यशालाएं/अन्य कार्यक्रम

राष्ट्रीय सम्मेलन

सेंटर ऑफ़ इंडियन सोशल साइंस रिसर्च (ICSSR), 22 वें और 23 अक्टूबर 2019 के सहयोग से "जम्मू और कश्मीर का योगदान, भारतीय विचार के लिए राष्ट्रीय संगोष्ठी" का आयोजन किया गया।

6. **प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला**

केंद्र में प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला के तहत "अपने देश और संस्कृति को जाने" के तहत प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन केंद्र के सहायक प्रोफेसर डॉ. अजय कुमार सिंह और डॉ. मुरुगेसन ए द्वारा किया गया।

7. **एक्सटेंशन लेक्चर श्रृंखला**

केंद्र ने संवाद के तहत निम्नलिखित विस्तार व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया;

25 मार्च 2020 को डॉ अजय कुमार सिंह द्वारा जूम मीट के माध्यम से वितरित कोविड-19 महामारी के दौरान देखभाल और परामर्श।

27 मार्च 2020 को स्काइप के माध्यम से डॉ. मुरुगेसन ए द्वारा वितरित कोविड-19 महामारी के संदर्भ में छात्रों की आध्यात्मिकता और मानसिक स्वास्थ्य का महत्व।

8. **कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी**

डॉ. अजय कुमार सिंह

आईसीएसएसआर के संयोजक प्रायोजित: 22-23 अक्टूबर 2019 को भारतीय विचार में जम्मू-कश्मीर का योगदान।

- 7-9 नवंबर 2019 को "गांधीवादी दर्शन के गुण: प्रासंगिकता और 21 वीं सदी में प्रासंगिकता को फिर से दिखाना" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की आयोजन समिति के सदस्य।\
- टीटीएम विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंतिम सत्र दिसंबर 2019 की परीक्षाओं में डिप्टी सुपरिंटेंडेंट।
- 27 जनवरी 2020 को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई है।
- अंग्रेजी और तुलनात्मक साहित्य विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में पीएचडी के शोधार्थियों के कोर्स वर्क में शोध और प्रकाशन आचार पर शिक्षा दी।
- फरवरी-2020 से अगले 2 वर्षों तक प्रवासी अध्ययन विभाग, एमजीएएचवी, वर्धा के अध्ययन बोर्ड में, सदस्य के रूप में नामांकित।
- 11-12 फरवरी 2020 को UGC में लाल डेड चेयर प्रस्ताव की तैयारी और प्रस्तुति।
- 20 फरवरी 2020 को सहायक डीन स्टूडेंट वेलफेयर के रूप में पुनः नियुक्ति।

डॉ.मुरुगेसान ए

मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई से पीएचडी शोध के बाद बाहरी परीक्षक को नियुक्त किया गया -

शोधार्थी का नाम	पीएच. डी. थीसिस का शीर्षक
चित्रा ई	प्राचीन साहित्य: पुराणनूरू में जीवन शैली
गजलक्ष्मी एस.	पावलेरू द्वारा थोलकप्पियाम पर टिप्पणी पर एक शोध बालासुंदरम
गीतावनी आर	महिला की कविताओं में विचारधारा और भाषा की शैली कवि
हुसैनखां बी	साहित्यकार के लिए एम सयाबू मरक्काियार का योगदान
कलावती पी	अतरुपपादी के गीतों पर एक शोध
कल्पनादेवी आर.	सुंदरार देवाराम: पोरमाई रिसर्च
कनमानी एस.	एस बेरमुहम्मद के लेखन पर एक शोध
कार्तिकेयन एस.	एम वरथरासनर के उपन्यासों में लाइफ स्टाइल
कविता आर.	एटुथोकाई में जीवन सिद्धांत
प्रदीप कुमार	तमिल हैकुक की कविताओं में लाइफ स्टाइल
राममूर्ति पी.	अलंदूर मोहनरंगन के उपन्यास लेखन पर एक शोध
सुगांठी एम.	कहावत की पुस्तकों में जीवन के बौद्ध सिद्धांत
थियोडर राजकुमार ए जे.	तमिल सिद्धानों और ईसाई के गीतों में सामाजिक परिप्रेक्ष्य साहित्य

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के बिजनेस मैनेजमेंट एडमिनिस्ट्रेशन विभाग में दिसंबर 2019 में अंतिम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए उप अधीक्षक।

- 30 अगस्त 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और तुलनात्मक साहित्य विभाग में फ्रांसिस बेकन के विशेष संदर्भ के साथ पश्चिमी दर्शन और अंग्रेजी साहित्य पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के यात्रा एवं पर्यटन प्रबंधन विभाग (टीटीएम) में पर्यटन संसाधन और भारत के उत्पाद (द्वितीय सेमेस्टर) शीर्षक से निम्नलिखित आमंत्रित व्याख्यान दिए;

व्याख्यान का विषय	दिनांक
भारत की वास्तुकला विरासत: प्राचीन वास्तुकला और भारत- इस्लामी वास्तुकला	12 फरवरी 2020
भारत की वास्तुकला विरासत: औपनिवेशिक वास्तुकला और आधुनिक आर्किटेक्चर	13 फरवरी 2020
हिंदू, बौद्ध, जैन, सिख, मुस्लिम के लोकप्रिय धार्मिक केंद्र और ईसाई धर्म	18 फरवरी 2020
चयनित यूनेस्को की विश्व विरासत स्थलों के केस स्टडीज भारत: ताज महल, जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान, कोणार्क सूर्य मंदिर, अजंता और एलोरा गुफाएँ	19 फरवरी 2020

9. संकाय द्वारा कार्यशालाएं, कार्यशालाएं और सम्मेलन (2019-2020)

डॉ. अजय कुमार सिंह

- जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में 3 से 9 जनवरी 2020 को डिजाइन के विकास और उद्धार पर व्यावसायिक विकास कार्यशाला।
- प्रभारी - एक - सप्ताह CUJ - CUTN सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत 20 से 27 जनवरी 2020 तक।
- 5 और 6 फरवरी 2020 को जम्मू और कश्मीर के शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित "मूल्यांकन और मूल्यांकन: हाल के रुझान और चुनौतियां", राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्रों के सह-अध्यक्षता की।

डॉ. मुरुगेसान ए

- टीटीएम, सीयूजे के डिपार्टमेंट द्वारा "टूरिज्म एंड जॉब्स: ए बेटर फ्यूचर फॉर ऑल" विषय पर 27 सितंबर 2019 को धार्मिक महत्व और सांस्कृतिक पर्यटन के महत्व पर बात की गई।
- तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता केंद्र, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR), के सहयोग से 22-23 अक्टूबर 2019 को कश्मीर में आत्मा की अवधारणा शैववाद: भारतीय विचारधारा का संवर्धन, राष्ट्रीय संगोष्ठी में "जम्मू और कश्मीर का भारतीय विचार में योगदान," पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

- 6 और 7 नवंबर 2019 अंग्रेजी विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा रामलिंग स्वामी की व्यक्तिगत कथा: थिरुवरुत्पा में स्वयंभूता, विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में"मल्टीपल सेल्फ्स इन मल्टीपल टेक्स: लाइफ नैरेटिव्स इन साउथ एशिया" पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया ।
- 5 और 6 फरवरी 2020 को शिक्षा विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू द्वारा शिक्षार्थियों के नैतिक विकास को बढ़ावा देने में आध्यात्मिक शिक्षा की आवश्यकता: एक नवीन मूल्यांकन और शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया का मूल्यांकन विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "मूल्यांकन और मूल्यांकन: हालिया रुझान और चुनौतियां," पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- 16 और 17 जनवरी 2020 को स्वामी विवेकानंद अध्यक्ष, केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू द्वारा स्वामी विवेकानंद के दर्शन में सहिष्णुता और सार्वभौमिक भाईचारे की भावना विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "नए भारत का उद्भव: दर्शन और स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं," विषय पर पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

10. संकाय प्रकाशन

डॉ. अजय कुमार सिंह

- विष्णुगुप्त विजन ऑफ को-एक्सिस्टेंस के विष्णुगुप्त विजन पर एक शोध पत्र प्रकाशित, यूजीसी सूचीबद्ध जर्नल, वाराणसी, 2019, पीपी 270-276, आईएसएसएन 23485884
- जैन ग्रन्थों में तनावमुक्ति के सूत्र पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया गया था, सम-साम्यवादी पीयर-रिव्यू जर्नल, जनवरी-दिसंबर 2019, पीपी 86-94, आईएसएसएन नंबर 23957468

डॉ. मुरुगेसान ए

- तमिलनाडु में द हिस्ट्री एंड सेंटर्स ऑफ जैन धर्म पर एक शोध पत्र प्रकाशित, पाटलिपुत्र जर्नल ऑफ़ इंडोलॉजी, वॉल्यूम. 4, अंक 1, मार्च 2019, पीपी। 22-26, ISSN 2320-351x.
- शाका ट्रेडिशन, पाटलिपुत्र जर्नल ऑफ इंडोलॉजी, वॉल्यूम के लिए एक परिचय पर एक शोध पत्र प्रकाशित किया। 4, अंक 3, नवंबर 2019, पीपी. 1-5, आईएसएसएन 2320-351x।

11. 2019-2020 में विभागीय प्रकाशन

केंद्र ने प्रतिभागिरिधयम् पर एक पुस्तक प्रकाशित की जो प्रो. जी. एम. ख्वाजा द्वारा संस्कृत से कश्मीरी में अनुवाद है। पुस्तक 13 मई 2019 को जारी की गई थी।

स्वामी विवेकानंद पीठ

पीठ के संबंध में

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने नोबेल पुरस्कार विजेता और प्रख्यात व्यक्तियों (जिन्होने भारतीय नागारिक या भारतीय मूल के रूप में जन्म लिया हैं) जिनके मानव जाति के प्रति योगदान को वैश्विक स्तर पर स्वीकार किया गया, के नाम पर पीठ के पदों की योजना बनाई हैं। स्वामी विवेकानंद ऐसे महानतम व्यक्तियों में से हैं, जिनके पूर्वी और पश्चिमी संस्कृति के विशाल ज्ञान ने पश्चिमी दुनिया विशेष रूप से अमेरिका को मंत्रमुग्ध कर दिया था।

स्वामी विवेकान्नद पीठ के पद को पाँच वर्षो की अवधि के लिए मार्च 2015 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय इस देश के कुल 53 केंद्रीय विश्वविद्यालय में से पहले पाँच में से एक हैं जहां स्वामी विवेकानंद के पद को स्थापित किया गया हैं। वर्तमान में ,प्रो. विवेक कुमार (नवनियुक्त) 18 सितंबर 2018 से इस पद को सँभाल रहें हैं, इससे पूर्व प्रो. सुदेश कुमार शर्मा थे जिन्होने सर्वप्रथम 16मई 2016 से 08 अप्रैल 2018 तक की अवधि के लिए इस पद पर कार्यरत थे।

इस पद के कामकाज का मुख्य उद्देश्य स्वामी विवेकानंद के जीवन और दर्शन को समकालीन समय में उनकी प्रासंगिकता पर विभिन्न शोध अध्ययनों के लिए सुविधाजनक बनाना हैं। स्वामी विवेकाननद के पद का उद्देश्य अध्यापन के प्रसार पर विशेष ज़ोर देते हुए शासन और नैतिकता पीठ के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दो किस्तों में कुल 45लाख रूपए का वित्तीय अनुदान प्रदान किया गया हैं।

विश्वविद्यालय परिसर में पीठ द्वारा की गई प्रमुख गतिविधियां का विवरण

- संयोजक के रूप में आयोजित किया गया नए भारत के उदभव पर दो दिवसीय संगोष्ठी 16 से 17 जनवरी 2020तक आईसीएसआर के सहयोग से स्वामी विवेकानंद के दर्शन और शिक्षाओं का विमोचन किया गया।
- जम्मू कश्मीर एक अनसुलझी पहेली का सुखद अंत का हिन्दी संस्करण
- स्वामी विवेकानंद का कृष्मयी व्यक्तिव
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (म.प्र.) में 17/02/2020 को स्वामी विवेकानंद के शैक्षिक विचार :- "आउट ऑफ द बॉक्स थिंकिग" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी / कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया हैं। -

निम्नलिखित पुस्तक प्रकाशन की कत्तार

- "स्वामी विवेकानंद और स्वामी दयानंद"
- "अंतराष्ट्रीय ख्यात्ति के संत – स्वामी विवेकानंद"
- "मध्य युगिन संत परम्परा और उसका स्वामी विवेकानंद के चिंतन पर प्रभव"
- जम्मू कश्मीर एक अनसुलझी पहेली का सुखांत (अंग्रेजी संस्करण)

महर्षि दयानंद सरस्वती पीठ

सितंबर, 2019 से दिसंबर, 2019

मैं, 22 अगस्त, 2019 से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में महर्षि दयानंद सरस्वती पीठ पद को सँभाल रहा हूँ। पीठ का कार्य क्षेत्र दयानंद सरस्वती समाज सुधार और सामाजिक जागृति के रूप में है। प्रारम्भ में, मुझे अनुसंधान के लिए सामग्री एकत्र करना पड़ा। इस सामग्री में महर्षि दयानंद की मूल लेखन और उस पर किए गए शोध दोनों शामिल थे। सितंबर, 2019 से दिसंबर, 2019 की अवधि के दौरान पीठ की गतिविधियां और उपलब्धियां निम्नलिखित हैं।

1. 6 नवंबर 2019 को स्वामी दयानंद की पुण्यतिथि पर महर्षि दयानंद सरस्वती के " जाति आधारित भेदभाव के खिलाफ एक योद्धा की भूमिका" विषय पर मार्मिक चित्रण किया गया।
2. जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू के अर्थशास्त्र विभाग में 12 सितंबर, 2019 को भारत में " भारतीय राष्ट्रवाद और सामाजिक सुधार" विषय पर सामाजिक विज्ञान विभाग ने पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए व्याख्यान दिया।
3. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में 1 अक्टूबर, 2019 को "दयानंद, गांधी और पर्यावरण" विषय पर गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने समारोह की अध्यक्षता की, प्रसिद्ध गांधीवादी प्रोफेसर योगेन्द्र यादव मुख्य वक्ता थे। प्रो.राज महाजन ने विषय पर बात की और अतिथि का स्वागत किया।
4. अक्टूबर, 2019 के महीने में महर्षि दयानंद सरस्वती के सामाजिक योगदान को उजागर करने के लिए स्वामी दयानंद सरस्वती के सामाजिक दर्शन नामक संपादित पुस्तक पर काम शुरू किया।
5. जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के तुलनात्मक धर्म एवं सभ्यता विभाग द्वारा 22 अक्टूबर, 2019 को आयोजित संगोष्ठी में " जम्मू-कश्मीर, सिल्क रूट और बौद्ध धर्म" शीर्षक पर एक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया।

जनवरी, 2020 to मार्च, 2020

जिस अवधि के तहत प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाती है वह चुनौतियों और अवसरों से भरी हुई थी । मार्च, 2020 के मध्य तक सामान्य अवधि थी। लॉकडाउन का फैसला भारत सरकार ने मार्च, 2020 के तीसरे सप्ताह में लिया था। लॉकडाउन में रिसर्च करने, छात्रों को ऑनलाइन पढ़ाने और गाइड करने और डिजिटल मोड के जरिए लोगों, छात्रों और विद्वानों से बातचीत करने का मौका मिला । इन सभी लोगों से वेबिनार और अन्य तरीके से बैठकों के जरिए बातचीत की गई।

इस अवधि के दौरान सभापीठ की गतिविधियों की उपलब्धियां, जनवरी, 2020 से जून, 2020 तक की गतिविधियां उपलब्धियां हैं।

6. मार्च, 2020 तक स्वामी दयानंद सरस्वती के सामाजिक दर्शन नामक पुस्तक को पूरा कर प्रकाशक को प्रकाशन के लिए भेज दिया।
7. स्वामी विवेकानंद: उनके दर्शन पर आयोजित संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की और 19 जनवरी, 2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद पीठ द्वारा आयोजित युवा आइकन के रूप में।
8. लॉकडाउन के दौरान वेबिनार के माध्यम से निम्नलिखित गतिविधियां की गई।
   क) वेबिनार मोड के माध्यम से व्याख्यान दिया ।
   ख) विभिन्न विश्वविद्यालयों के विभिन्न मुद्दों पर वेबिनार पर व्याख्यान में भाग लिया।

ग) विभिन्न विश्वविद्यालयों के वेबिनार के सत्रों की अध्यक्षता की।

9. 1 जून 2019 को इंदु पुस्तक सेवा द्वारा स्वामी दयानंद सरस्वती की पुस्तक सामाजिक दर्शन प्रकाशित प्राइवेट लिमिटेड (पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स), नई दिल्ली ने 2020 में इसे जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा को भेंट किया। ।

क) यह सम्मान की बात है कि यूजीसी के अध्यक्ष प्रो. डी. पी. सिंह ने किताब के लिए संदेश लिखा है .

ख) ISBN 978-93-86754-62-2,पुस्तक का प्रकाशन 2020 में हुआ।

ग) इस पुस्तक की विशेषता है कि शायद इस शीर्षक पर कोई पुस्तक नहीं लिखा गया हैं इसमें स्वामीजी के सामाजिक दर्शन, उनके शैक्षिक दर्शन, महिला सशक्तिकरण के बारे में विचार, जातिगत भेदभाव के खिलाफ उनके धर्मयुद्ध, सामाजिक जागृति और कई अन्य बातों को ध्यान में रखा गया है।

10. एक शोध पत्र स्वामी दयानंद सरस्वती विषय पर लिखा गया है: जातिविहीन समाज के बारे में उनका विजन जिसे एक शोध पत्रिका को प्रकाशन के लिए भेजा जाएगा।

11. उन्नीसवीं शताब्दी में सामाजिक सुधार और भारत के जागरण शीर्षक पर एक शोध पुस्तक की योजना बनाई गई है: महर्षि दयानंद सरस्वती की भूमिका की योजना है जो लगभग 10 महीने में पूरी हो जाएगी।

12. मैंने पंजाब में गरीबी के बहुआयामी दृष्टिकोण का विश्लेषण विषय पर एक आमंत्रित शोध पत्र लिखा है जिसे विभाग के प्रो पीके मिश्रा द्वारा भारत में बहुआयामी गरीबी पर एक संपादित पुस्तक में प्रकाशित किया जाएगा। अर्थशास्त्र, पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा।

13. आईसीएसएसआर द्वारा आमंत्रित परियोजना में जम्मू जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आर्थिक और जीवंत लोगों की संख्या के आधार पर COVID-19 के कार्यान्वयन विषय पर संक्षिप्त सूची तैयार करने के लिए कोविद -19 की एक विशेष योजना के तहत 6लाख रूपये के अनुसंधान परियोजना को तैयार किया गया।

सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियाँ

उड़ान-2019 (10-11 अप्रैल 2019)

अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 10 और 11 अप्रैल 2020 को दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम 'उड़ान' का आयोजन किया गया। इसमें तीन सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस वार्षिक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले देश के विभिन्न राज्यों के छात्रों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम विभिन्न संस्कृतियों का उत्सव था, जिसे छात्रों के ज्वलंत प्रदर्शन ने जीवंत कर दिया। माननीय कुलपति प्रो. अशोक ऐमा के शुभारंभ के बाद उद्घाटन समारोह के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हुआ । सात कार्यक्रमों में से तीन कार्यक्रम प्रथम दिन आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरूआत फोटोग्राफी के साथ ऑन स्पॉट पेंटिंग और कोलाज मेकिंग से हुई। फोटोग्राफी में, "आकार और छाया" या "ज्यामितीय आकृतियां" विषय पर तस्वीर खींचने के लिए छात्रों को 1घंटे का समय दिया गया। दूसरे दिन का कार्यक्रम रंगोली प्रतियोगिता के साथ शुरू हुआ जिसमें बारह टीमों ने अपनी कलात्मक क्षमता दिखाई। रंगोली का विषय "स्वच्छ भारत" था। इसके बाद फैशन शो का आयोजन हुआ जिसमें 55 प्रतिभागियों ने अपने संजातीय परिधान में रैंप वॉक किया। साथ ही, समूह गीत का आयोजन किया गया, जिसमें 14 प्रतिभागियों ने देश के विभिन्न भागों का प्रतिनिधित्व करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक धुनों को गाया। इस कार्यक्रम का प्रथम पुरस्कार एम.बी.ए (टीटीएम) विभाग,द्वितीय पुरस्कार एम.बी.ए(एच आर एम) विभाग एंव तृतीय पुरस्कार भौतिकी विभाग ने प्राप्त किया। उत्सव का अंतिम कार्यक्रम समूह लोक नृत्य रहा जिसमें 8 टीमों ने विविध लोक नृत्य को प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में लोक नीति एंव लोक प्रशासन विभाग की टीम ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया, हिंदी विभाग की टीम ने द्वितीय पुरस्कार और एमबीए विभाग (एच.आर.एम)की दो टीमों को तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। माननीय कुलपति और डॉ. अरविंद सिंह अमन, सचिव (कला,संस्कृति और भाषा अकादमी) की उपस्थिति में आयोजित सम्मान समारोह में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। डॉ. अजय सिंह, एडीएसडी, तुलनात्मक धर्म विभाग(कम्प्रेउटिव रिलीजन) ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पूर्व छात्र सम्मेलन -2019 (26 अप्रैल 2019)

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 26 अप्रैल 2020 को द्वितीय पूर्व छात्र सम्मोलन का आयोजन ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह सभागार में किया गया। इस अवसर पर मुख्यि अतिथि प्रो. मनोज धर, माननीय कुलपति,जम्मू विश्वविद्यालय, प्रो. अशोक ऐमा, माननीय कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. इंदु ऐमा, डॉ. रवि कुमार, कुलसचिव जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. देवानंद, अन्य वरिष्ठ प्रोफेसर, संकाय सदस्य के साथ लगभग 300 पूर्व छात्र उपस्थित हुए। अपने वक्तैव्य. में मुख्य अतिथि ने पूर्व छात्रों की सराहना की और बेहतर भविष्य की कामना की। प्रोफेसर अशोक ऐमा, माननीय कुलपति, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने अध्यक्षीय भाषण में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के राया (CUJ Rahya) परिसर में किए गए विभिन्न विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने कई तरीकों से प्रगति की है। अब विश्वविद्यालय में 52 शैक्षणिक विभाग हैं। पिछले चार वर्षों में विश्वविद्यालय को यूजीसी अनुदान के अलावा 147 करोड़ का अनुदान प्राप्तव हुआ है। पिछले कुछ वर्षों में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय को प्रतिष्ठित परियोजनाएं भी मिली हैं जिसमें अन्तरिक्ष केंद्र और डीआरडीओ परियोजना शामिल हैं। डॉ. वंदना शर्मा और उनकी टीम ने पूर्व छात्र संघ (CUJAA) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का चुनाव सम्परन्न कराया। इससे पहले दीपक पठानिया, अधिष्ठाता, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने स्वागत भाषण दिया। पूर्व छात्र सम्मेरलन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। डॉ. अजय कुमार सिंह, एडीएसडब्ल्यू, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

फिट इंडिया मूवमट -2019

शारीरिक शिक्षा विभाग और अधिष्ठाता कार्यालय के तत्वावधान में 29 अगस्त, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में फिट इंडिया मूवमेंट उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। इस ऐतिहासिक दिन माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र9 मोदी ने फिट इंडिया मूवमेंट कार्यक्रम के सीधे प्रसारण के साथ ही इस कार्यक्रम की शुरुआत की, इसके बाद माननीय कुलपति प्रो. अशोक ऐमा और विश्वविद्यालय के सभी संकाय, कर्मचारी और छात्रों ने फिटनेस की शपथ ली। इस अवसर पर कुलपति महोदय ने पदयात्रा को झंडी दिखा कर आरंभ किया। डॉ. वंदना शर्मा प्रभारी निदेशक ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य योजना के बारे में बताया। उन्होंने समग्र फिटनेस के महत्व पर प्रकाश डाला जिसके तहत परिसर में विभिन्न गतिविधियों जैसे- पदयात्रा, सैर के साथ सफाई (प्लॉगिंग), फ्रेंडली मैच सीरीज(संकाय और कर्मचारी के बीच), योग सत्र, परामर्श सत्र और वॉकथॉन और मैराथन आदि को नियमित आधार पर आयोजित किया जाएगा। कुलपति महोदय ने अपने वक्ताव्यी में फिटनेस के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि फिटनेस संगठन को मजबूत और जीवंत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने संकाय, कर्मचारियों और छात्रों से नकारात्मकता और सुस्ती से दूर रहने और अपने जीवन को सार्थक बनाने के लिए सकारात्मक स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने का आग्रह किया। यह कार्यक्रम डॉ अमन, सहायक अधिष्ठा्ता छात्र कल्याि‍ण विभाग और डॉ. अजय सिंह, सहायक अधिष्ठा ता छात्र कल्या ण विभाग के संयोजन में हुआ।

समावेशन कार्यक्रम - 2019

अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग द्वारा स्नातकोत्तर और स्नातक नवप्रवेशित छात्रों के लिए दो दिवसीय समावेशन कार्यक्रम का आयोजन विग्रे. राजिंदर सिंह सभागार में किया गया। स्नातक छात्रों के लिए आयोजित छात्र समावेशन कार्यक्रम -2019 के पहले दिन जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्जवलन व सरस्वती वंदना के साथ हुआ और इस अवसर पर विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने लोक नृत्य प्रस्तुत किया। प्रो. ऐमा ने अपने वक्तव्य में प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में चयनित छात्रों को बधाई देते हुए जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने की सलाह दी क्योंकि कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय का कोई विकल्प नहीं है। कुलपति महोदय ने कहा कि उत्कृष्ट व्यवहार के बिना शैक्षिक उत्कृष्टता का कोई मूल्य नहीं है और दोनों ही उत्कृष्टता प्राप्त करना महत्वपूर्ण है। प्रो. दीपक पठानिया, अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग ने सभी का स्वागत किया और विश्वविद्यालय सहयोग प्रणाली और केंद्रीय सुविधाओं, मुख्य विशेषताओं विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। डॉ.रवि कुमार, कुलसचिव, प्रो. देवानंद पाधा, अधिष्ठाता, प्रो. जया भसीन, प्रो. बी. एस भाऊ, डॉ. बच्चा बाबू, प्रभारी कुलानशासक ने अपने वक्तव्य दिए। प्रो. मनोज मिश्रा (राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, श्री रणबीर कैंपस, जम्मू) तनाव से कैसे बचें पर व्याख्यान दिया। प्रो. कविता सूरी (जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू) और प्रो. विश्व रक्षा (जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू) ने जेंडर सेंसिटाइजेशन पर अपना वक्तव्य रखा। सांस्कृतिक कार्यक्रम केन्द्रीय विद्यालय, सीयूजे द्वारा प्रस्तुत किया गया और डॉ. अजय कुमार सिंह, सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

एक भारत श्रेष्ठ भारत सांस्कृतिक आदान प्रदान यात्रा-

सरदार वल्लभभाई पटेल की 140 वीं जयंती के अवसर पर 31 अक्तूबर , 2015 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा "एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। इस अभिनव उपाय के माध्यम से विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं के ज्ञान से राज्यों के बीच आदान-प्रदान होगा और संबंध बढ़ेगा, जिससे भारत की एकता और अखंडता को मजबूती मिलेगी। एक भारत श्रेष्ठ भारत- 2020 के तहत जम्मू-कश्मीर राज्य को अंतर-राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के लिए तमिलनाडु राज्य के साथ जोड़ा गया। इस दिशा में जम्मू

केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत के विभिन्न राज्यों के छात्रों और कर्मचारियों के बीच भाईचारे की भावना को मजबूत करने के लिए 25 अक्तूबर, 2019 को एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब का गठन किया। साथ ही विश्वविद्यालय में हर महीने एक भारत श्रेष्ठ भारत दिवस मनाने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अशोक ऐमा ने कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति महराज-उद-दीन मीर और तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए. पी. दास के साथ समन्वय किया जिसके फलस्व रूप साप्तामहिक अंतर-राज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया। इसके तहत जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के पच्चीस छात्रों का चयन डॉ.अजय कुमार सिंह सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग ने अधिष्ठाता छात्र कल्याण के परामर्श से किया। साप्ताहिक सांस्कृतिक आदान-प्रदान यात्रा (20-27 जनवरी 2020) कार्यक्रम का संयोजन डॉ अजय कुमार सिंह सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग एवं डॉ. अंजू थापा सहायक प्रोफेसर सीएम सीयूजे विभाग के संयुक्तर तत्वा वधान में हुआ। यह यात्रा 16 जनवरी 2020 में शुरू हुई जिसमें दोनों संकाय एवं 25 छात्र/छात्राएं अपने परिवार से दूर देश के दूसरे कोने में स्थित राज्ये में एकजुट हुए। टीम 19 जनवरी को त्रिची रेलवे स्टेशन (जंक्शन) पहुंची जहां तमिलनाडु केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संकाय तथा छात्र/छात्राओं ने बेहद गर्मजोशी से स्वागत किया। संकाय और छात्रों को क्षेत्र चर्च मंदिरों समुद्र तट मस्जिद और कई और स्थानों पर ले जाया गया। हर जगह देखने और जानकारी प्राप्त करने योग्य थी। प्रत्येक मंदिर में विशिष्टक भव्यदता थी । मंदिर का निर्माण और रख-रखाव बहुत अच्छाज था। बुनियादी ढांचा इतना सुंदर था कि मंदिर के अंदरूनी चित्र मंत्रमुग्ध कर रहे थे। तमिलनाडु के कुड्डालोर जिले में चिदंबरम के पास पिचारामा गांव में स्थित मैंग्रोव वन की सुंदरता को छात्रों ने नाव के द्वारा भ्रमण किया। कार्यक्रम के तहत केंद्रीय विश्वविद्यालय की ओर से की गई पहल एक भारत श्रेष्ठ भारत में न केवल संस्कृति का आदान-प्रदान करके विभिन्न राज्यों और देश के विभिन्न हिस्सों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान किया गया बल्कि भाषा पोशाक भोजन भावनाओं अनुभवों का भी आदान-प्रदान किया गया। संबंधित विभागों में आयोजित विभागीय यात्राओं के माध्यम से छात्रों के बीच शैक्षिक आदान-प्रदान का भी आयोजन किया गया।

शारीरिक शिक्षा निदेशालय

1. **शारीरिक शिक्षा निदेशालय के बारे में** शारीरिक शिक्षा निदेशालय की स्थापना वर्ष 2018 में व्यक्तित्व के समग्र विकास के लिए युवाओं में खेल संस्कृति को विकसित करने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी। विश्वविद्यालय प्रणाली में युवाओं का एकीकृत व्यक्तित्व के विकास में खेल कूद महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और निदेशालय का उद्देश्य युवाओं में खेल भावना, उपलब्धि, राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति की भावना का विकास करना है। इस विशाल कार्य को महसूस करने और पूरा करने के उद्देश्य से निदेशालय परिसर में खेल सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को विकसित करने और शिविरों, मैराथन, विश्वविद्यालय परिसर में खेल गतिविधियों, दोस्ताना द्विपक्षीय मैचों, लड़कियों के लिए मार्शल आर्ट्स सेल्फ डिफेंस और अंतर विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं को चरणबद्ध तरीके से संचालित करने की योजना बना रहा है।

2. हमारा दृष्टि :

युवा मन को एक उपजाऊ भूमि प्रदान करना ताकि ज्ञान, शारीरिक कौशल और जीने की कला प्रदान करके उनके जीवन की नींव को मजबूत किया जा सके।

3. हमारा लक्ष्य :

संतुलित मनुष्यों के विकास को सुगम बनाने के लिए जिनके पास जोश / जुनून, उद्देश्य और शांति का जीवन बनाने का ज्ञान है।

4. उद्देश्य :

- इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निदेशालय को उद्देश्य प्रदान करना है :
- शारीरिक प्रशिक्षण और कोचिंग के लिए आवश्यक दक्षताओं को विकसित करने के लिए
- व्यक्तिगत और सामुदायिक स्वास्थ्य के ज्ञान को समृद्ध करने के लिए
- खेल, खेल और मनोरंजक गतिविधियों के आयोजन की क्षमता को बढ़ावा देने के लिए।
- शारीरिक शिक्षा में रुचि को बढ़ावा देने और स्कूल और समाज में अपनी भूमिका की सराहना करने के लिए
- शारीरिक शिक्षा, व्यायाम, खेल और खेल के प्रति स्वदेशी दृष्टिकोण को समझना और सराहनीय बनाना हैं।

5. फिट इंडिया आंदोलन .. पदयात्रा

उच्च शिक्षा विभाग के अनुपालन में एमएचआरडी के पत्र संख्या 14-44/2019-सीयू सीडीएन दिनांक 21 अगस्त, 2019, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की रिपोर्ट इस प्रकार है -

शिक्षा निदेशालय और अधिष्ठता छात्र कल्याण कार्यालय के तत्वावधान में 29 अगस्त, 2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में फिट इंडिया मूवमेंट उत्साह और धूमधाम से मनाया गया।

ऐतिहासिक महत्व के दिन फिट इंडिया मूवमेंट का सीधा प्रसारण, जिसमें माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आंदोलन की शुरुआत की, इसके बाद कुलपति प्रो अशोक ऐमा और विश्वविद्यालय के सभी संकाय, कर्मचारी और छात्रों ने फिटनेस शपथ ली।

इसके बाद फिटनेस प्रतिज्ञा पद यात्रा की गई, जिसे कुलपति ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पद यात्रा में छात्र , संकाय और कर्मचारी सदस्यों ने हिस्सा लिया।

वॉकथॉन के बाद फिटनेस प्लान के लिए पर्दा उठाने वाले थे। प्रभारी निदेशक डॉ वंदना शर्मा ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया और पर्दा उठाने में सीयूजे फिटनेस प्लान का अवलोकन किया। उन्होंने समग्र फिटनेस के महत्व पर प्रकाश डाला जिसके तहत परिसर में विभिन्न गतिविधियों को देखा जाना चाहिए जो संकाय और कर्मचारियों के लिए ट्रांसेक्ट वॉक, प्लॉगिंग, फ्रेंडली मैच सीरीज, योग सत्र, परामर्श सत्र और वॉकथॉन और मैराथन नियमित आधार पर आयोजित किए जाएंगे। कुलपति ने अपने संबोधन में फिटनेस के महत्व को रोशन किया, जो एक संगठन को मजबूत और जीवंत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने संकाय, कर्मचारियों और छात्रों से नकारात्मकता और सुस्ती से दूर रहने और अपने जीवन को सार्थक बनाने के लिए सकारात्मक स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने का आग्रह किया। इस मौके पर डॉ अमन, एसेस्ट डीएसडब्ल्यू और डॉ अजय सिंह, एससेंट डीएसडब्ल्यू ने भी कार्यक्रम का समन्वय किया।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अशोक ऐमा ने 25 जनवरी, 2020 को रन फॉर यूनिटी मैराथन, के पहले संस्करण को हरी झंडी दिखाकर विश्वविद्यालय परिसर से रवाना किया। शारीरिक शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित, छात्रों, संकाय और कर्मचारियों और विश्वविद्यालय परिसर के आस पास के स्कूलों के छात्रों, केन्द्रीय विद्यालय (सीयूजे), राया के उच्च माध्यमिक स्कूल ने मैराथन में भाग लिया। इस अवसर पर कुलपति ने इस तरह की गतिविधियों में युवाओं की ऊर्जा को दिशा देने के महत्व पर बल देते हुए कहा कि सीयूजे का परिसर इस तरह की मैराथन के लिए एक आदर्श स्थल है। इसके लिए प्रो देवानंद पाधा ने कहा कि विश्वविद्यालय फिट इंडिया आंदोलन के तहत नियमित आधार पर इस तरह के आयोजन किये जाएंगे। शारीरिक शिक्षा निदेशालय की प्रभारी निदेशक डॉ वंदना शर्मा ने कहा कि निदेशालय के दृष्टि को साझा किया जो युवाओं में खेल संस्कृति को विकसित और बढ़ावा देने के लिए है। उन्होंने आगे कहा कि निदेशालय ने हाल ही में एक फिटनेस क्लब का गठन किया है जो सामयिक आधार पर प्रकृति की सैर, क्रॉस कंट्री, साइक्लोथॉन जैसी फिटनेस गतिविधियों का आयोजन करेगा। विश्वविद्यालय राया परिसर में 3.2 किलोमीटर स्ट्रेच की माला रोड पर एक रन के दौरान प्रतिभागियों को फिनिशर मेडल दिया गया। मानव संसाधन से दूसरा उच्च माध्यमिक स्कूल के राम कृष्ण और वजीर अली ने क्रमश पहला और दूसरा पदक जीता जबकि एमबीए टीटीएम से साहिल शर्मा तीसरे स्थान पर रहे। लड़कियों के बीच शिक्षा विभाग के पीएचडी शोधार्थी बादल मिंजन पहले खड़े थे, जन संचार विभाग से प्रिया रानी दूसरे जबकि एनएसएस से जसमीत कौर तीसरे स्थान पर रहीं। संकाय, अधिष्ठाता स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज प्रो. रसाल सिंह ने पुरुष संकाय का नेतृत्व किया और डॉ. श्वेता कोहली महिला संकाय के बीच प्रथम रहीं।

छात्रावास

1) पुरूष छात्रावास में उपलब्ध सुविधाएं (BHR)

- मेस सुविधा
- बेड, अध्ययन टेबल और स्टील अलमिराह जैसे फर्नीचर
- अध्ययन कमरा
- जिम
- कॉमन रूम/ इंडोर स्पोर्ट्स सुविधाएं
- जनरेटर सुविधा (बिजली बंद होने की स्थिति में)
- चिकित्सा सुविधा
- 24 घंटे एम्बुलेंस सेवा
- पत्रिकाएं, समाचार पत्र (स्थानीय और राष्ट्रीय)

कुल सेवन क्षमता	रहने वाले छात्रों की कुल संख्या	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	पीडब्ल्यू डी	ईडब्ल्यू एस	मुस्लिम
140	112	36	46	16	13	Nil	01	38

विश्वविद्यालय कोर्ट

i.	कुलाधिपति	अध्यक्ष पदेन सदस्य
ii.	कुलपति	कुलपति पदेन सदस्य
iii.	समकुलपति	पदेन सदस्य
iv.	सभी अधिष्ठाता	पदेन सदस्य
v.	कार्यकारिणी परिषद् द्वारा नामित किए जाने वाले कार्यकारिणी के दो सदस्य	1. **प्रो० एच० देवराज** पूर्व उपाध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
		2. **प्रो० एम० आई० हकी** पूर्व अधिष्ठाता एवं अध्यक्ष डी/ओ व्यवसाय प्रशासन, प्रबंधन अध्ययन एवं अनुसंधान के संकाय, ऐएमयु, अलीगढ़।
vi.	सभी विभागाध्यक्ष (**HoDs**)	पदेन सदस्य
vii.	कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किए जाने वाले चार व्यक्ति (एमएचआरडी पत्र एफ. संख्या 52–7/2013–सीयु–**III** दिनांक 26.07.2018 से नामित चार व्यक्ति)	1. **डॉ० बंदना पांडे** पूर्व निदेशक, एचआरडीसी, गुरू जंबेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार
		2. **डॉ० अलका शर्मा** व्यवसायिक विद्यालय, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू।
		3. **प्रो० गीता सिंह** निदेशक, उच्च शिक्षा में व्यसवसायिक विकास केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
		4. **प्रो० (डॉ०) जी० मुस्तफा शाह** प्राणी विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर।
viii.	अधिष्ठाता छात्र कल्याण	पदेन सदस्य

ix.	कुलसचिव	पदेन सदस्य-सचिव
x.	पुस्कालयाध्यक्ष	पदेन सदस्य
xi.	प्रोक्टर	पदेन सदस्य
xii.	परीक्षा नियंत्रक	पदेन सदस्य
xiii.	वित्त अधिकारी	पदेन सदस्य
निदेशक/प्राचार्य/आचार्य में से शिक्षकों के प्रतिनिधि		
xiv.	दस आचार्य जो कि विभागाध्यक्ष/अधिष्ठाता नहीं हो किन्तु वह आचार्य/निदेशक/प्राचार्य के समकक्ष हो। आचार्य/ निदेशक/प्राचार्य कुलपति द्वारा आवर्तन के आधार पर नामित किए जाए जो प्रत्येक विद्यालय/केंद्र/महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हों। प्रतिनिधित्व प्रत्येक विभाग/ विद्यालय/केंद्र को दी जाएगी। नियमित आवर्तन तब तक किया जाएगा जब तक सभी को प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं हो जाता।	1. रिक्त 2. रिक्त 3. रिक्त 4. रिक्त 5. रिक्त 6. रिक्त 7. रिक्त 8. रिक्त 9. रिक्त 10. रिक्त
xv.	दो सह-आचार्य जो शिक्षण विभागों के विभागाध्यक्ष नहीं हैं। आचार्य/निदेशक/प्राचार्य कुलपति द्वारा आवर्तन के आधार पर नामित किए जाए जो प्रत्येक विद्यालय/केंद्र/महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हों। प्रतिनिधित्व प्रत्येक विभाग/ विद्यालय/केंद्र को दी जाएगी। नियमित आवर्तन तब तक किया जाएगा जब तक सभी को प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं हो जाता।	1. रिक्त 2. रिक्त
xvi.	नियमित आवर्तन पर कुलपति द्वारा नामित किए जाने वाले दो सहायक आचार्य ।	1. **डॉ० पंकज मेहता** पर्यावरण विज्ञान विभाग 2. **डॉ० शाहिद मुस्ताक** विपणन एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विभाग

शैक्षणिक कर्मचारियों के प्रतिनिधि		
xvii.	नियमित आवर्तन पर कुलपति द्वारा नामित किए जाने वाले शैक्षणिक कर्मचारियों के तीन सदस्य, समूह 'क' से एक, समूह 'ख' से एक, समूह 'ग' से एक।	समूह 'क' 1. श्रीमती शफला परिहार उपकुलसचिव
		समूह 'ख' 2. श्री विकास कुमार सहायक
		समूह 'ग' 3. श्री रोहित जसरोटिया अवर श्रेणी लिपिक
सीखा व्यवसायों एवं विशेष हितों के प्रतिनिधि		
xviii.	उद्योग, वाणिज्य, व्यापार संघ (यूनियन), बैंकिग, कृषि, स्वास्थय एवं संस्कृति, वित्तीय संस्थान, नौकरशाही, पुलिस/ थलसेना, प्रख्यात शिक्षाविदों, अभियंत्रिकी, वास्तुकला, मीडिया, टी०वी०/फिल्म समाज कार्य, कॉरपोरेट आदि के छः प्रशिक्षित व्यवसायियों और विशेष इच्छुक प्रतिनिधियों को कार्यपालक परिषद् द्वारा नामित किया गया था।	1. **डॉ० बलदेव राज** अध्यक्ष, सीआईआई अवंता केंद्र, सेंटर ऑफ कम्पेटिटिवनेस फॉर एस०एम०ई०, चंडीगढ़
		2. **डॉ० राम विश्वकर्मा** निदेशक, भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान, जम्मू।
		3. **प्रो० परवेज मुस्तजाब** जाकिर हुसैन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ऐएमयु, अलीगढ़–202002
		4. **श्री बलवंत ठाकुर** सलाहकार–सह–क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद
		5. **श्री अशोक भान** संरक्षक, आईआईपीए, जम्मू एवं कश्मीर क्षेत्रीय शाखा, जम्मू। पूर्व महानिदेशक, जम्मू एवं कश्मीर पुलिस।
		6. **अंजू भसीन** कुलपति, कलस्टर विश्वविद्यालय जम्मू।

कुलाधिपति द्वारा नामित व्यक्ति		
xix.	कुलपति एवं प्रख्यात शिक्षाविदों में से कुलाधिपति द्वारा नामित दो सदस्य	1. **प्रो० (डॉ०) योगेश त्यागी,** कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय।
		2. **डॉ० आर के कोहली** कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय पंजाब।
xx.	पूर्व छात्र एवं विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधि	पूर्व छात्र 1. **सुश्री सोनम अंगमो** सहायक आचार्य, अंग्रेजी विभाग, उच्चतर शिक्षा, जम्मू एवं कश्मीर सरकार।
		छात्र 2. **श्री अरीफ मोहम्मद** एमबीए-एचआरएम एवं ओबी

कार्यकारिणी परिषद

क.	कुलपति	**प्रो० अशोक ऐमा** कुलपति (अध्यक्ष, पूर्व-पदेन)
ख.	समकुलपति	रिक्त
ग.	सचिव, उच्चतर शिक्षा विभाग, म.स.वि.म., भारत सरकार या उनके नामित संयुक्त सचिव के पद से नीचे के नहीं।	(सदस्य, पूर्व-पदेन)
घ.	अध्यक्ष, यूजीसी या उनके नामित व्यक्ति,	(सदस्य, पूर्व-पदेन)
ड.	उच्चतर शिक्षा से संबंधित मामलों से संबंधित राज्य सरकार के सचिव,	(सदस्य, पूर्व-पदेन)
च.	कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किए जाने वाले शिक्षाविदों में चार व्यक्ति, (एमएचआरडी एफ. सं. 52-1/2019-सीयू.आईआईआई दिनांक 18.02.2019)	1. **प्रो० उदय प्रताप सिंह** प्रमुख एवं आचार्य एंथ्रोपोलॉजी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ। (सदस्य)
		2. **डॉ० विनिता सिंह** आचार्य, सांख्यिकी विभाग, सामाजिक विज्ञान संस्थान डॉ० बी० आर० अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा। (सदस्य)
		3. **प्रो० रामदेव भारद्वाज** कुलपति अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल। (सदस्य)
		4. **प्रो० सुशील कुमार गुप्ता** आचार्य, एग्रोफारेस्ट्री विभाग, कृषि संकाय, स्कास्ट, जम्मू। (सदस्य)
छ.	तीन प्रमुख शिक्षाविद जो विश्वविद्यालय की सेवा में नहीं हैं, जो एएमएचडी द्वारा कार्यकारी परिषद द्वारा अनुशंसित पैनल में से नामित किया जाए	1. सदस्य (रिक्त)
		2. सदस्य (रिक्त)
		3. सदस्य (रिक्त)

ज.	कुलाध्यक्ष द्वारा नामांकित कोर्ट का एक सदस्य	सदस्य (रिक्त)
झ.	वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा अध्ययन के स्कूलों के तीन अधिष्ठाता	1. **प्रो० एन० के० त्रिपाठी** अधिष्ठाता, जीव विज्ञान विद्यालय (सदस्य)
		2. **प्रो० गोविंद सिंह** अधिष्ठाता, मानावकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यालय (सदस्य)
		3. **प्रो० जया भसीन** अधिष्ठाता, व्यावसायिक अध्ययन विद्यालय (सदस्य)
ञ.	एक आचार्य, जो अधिष्ठाता नहीं है, वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा, कुलपति द्वारा नामित किया जाए।	**प्रो० ब्रिज मोहन भाउ** अध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग (सदस्य)
ट.	एक सह-आचार्य जो एक अधिष्ठाता नहीं है, रोटेशन द्वारा वरिष्ठता के अनुसार नामित किया जा सकता है	**डॉ० सुनील धर** सह-आचार्य, पर्यावरण विज्ञान विभाग (सदस्य)
ठ.	कुलसचिव, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	सचिव, पूर्व-पदेन

अकादमिक परिषद

क.	कुलपति	**प्रो० अशोक ऐमा** कुलपति (अध्यक्ष, सदस्य, पूर्व-पदेन)
ख.	समकुलपति	(सदस्य, पूर्व-पदेन)
ग.	अध्ययन के स्कूलों के	(सदस्य, पूर्व-पदेन)
घ.	अधिष्ठाता छात्र कल्याण	(सदस्य, पूर्व-पदेन)
ड.	प्रॉक्टर	प्रॉक्टर, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय
च.	पुस्तकालय अध्यक्ष	(सदस्य, पूर्व-पदेन)
छ.	कोर्ट के निर्वाचित सदस्यों में से कोर्ट द्वारा मनोनीत एक सदस्य	----------
ज.	रोटेशन के आधार पर शिक्षण विभाग के दस विभागाध्यक्ष कुलपति द्वारा नामित किए जाएंगे,	1. **प्रो० ब्रिज मोहन सिंह भाउ** विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग
		2. **डॉ० यशवंत सिंह** विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
		3. **डॉ० अजय कुमार शर्मा** विभागाध्यक्ष, गणित विभाग
		4. **डॉ० धमेन्द्र सिंह** विभागाध्यक्ष, शैक्षिक अध्ययन विभाग
		5. **डॉ० वी० श्रीधरण** विभागाध्यक्ष, रसायनशास्त्र एवं रसायिनक विज्ञान विभाग
		6. **डॉ० गौरव सहगल** विभागाध्यक्ष, विपणन एवं श्रृंखला आपूर्ति प्रबंधन विभाग
		7. **डॉ० विनय कुमार** विभागाध्यक्ष, भौतिकी एवं खगोल विज्ञान विभाग
		8. **डॉ० अनिल कुमार ठाकुर** विभागाध्यक्ष, नैनो विज्ञान एवं पदार्थ विभाग
		9. रिक्त
		10. रिक्त

झ.	वरिष्ठता और रोटेशन के आधार पर केंद्रों के पांच निदेशक, यदि कोई हो, को कुलपति द्वारा नामित किए जाएगे।	1. तुलनात्मक धर्म और सभ्यता केन्द्र
		2. अणुजैविक विज्ञान केन्द्र
		3. रिक्त
		4. रिक्त
		5. रिक्त
ञ.	दो आचार्य, जो की किसी अध्ययन विद्यालय के अधिष्ठाता न हो अथवा विभाग/केंद के विभागाध्यक्ष न हो एवं कार्यकारिणी समिति के सदस्य न हो, वरिष्ठता के आधार पर प्रत्येक विद्यालय से कुलपति द्वारा नामित ।	1. रिक्त
		2. रिक्त
ट.	सह आचार्य, जो उपरोक्त (ग), (घ) एवं (ड) में शामिल न हो अथवा विभागाध्यक्ष अथवा केंद्र के निदेशक न हो अथवा जो कार्यकारिणी समिति के सदस्य न हो, वरिष्ठता के आधार पर रोटेशन, कुलपति द्वारा नामित ।	1. **डॉ० सुनील धर** सह-आचार्य पर्यावरण विज्ञान विभाग
		2. रिक्त
ठ.	दो सहायक आचार्य, जो कार्यकारणी समिति के सदस्य न हों, वरिष्ठता के आधार पर रोटेशन द्वारा कुलपति द्वारा नामित	1. **डॉ० पविन्द्र सिंह** गणित विभाग
		2. **डॉ० निलिका अरोड़ा** मानव संसाधन प्रबंधन एवं संगठनात्मक व्यवहार विभाग
ड.	दस व्यक्ति, जो विश्वविद्यालय की सेवा में न हों, उनके शिक्षा विकास एवं औद्योगिक लिंकेज में विशेष ज्ञान के अकादमिक परिषद द्वारा नामित।	1. **प्रो० मोहम्मद मियां** पूर्व सदस्य, वि०अनुं० आ० पूर्व कुलपति, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय
		2. **प्रो० मनोज धर** कुलपति, जम्मू विश्वविद्यालय

		3. **प्रो० सुषमा यादव** कुलपति, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां, हरियाणा
		4. **प्रो० मनोज गौर** निदेशक, आई०आई०टी०, जम्मू
		5. **प्रो० आर०एन०के० बमजेई** पूर्व कुलपति, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय और जीव विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
		6. **प्रो० पुलीयन बी० नायक** पूर्व अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, अर्थशास्त्र विद्यालय दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय
		7. **प्रो० अशोक ओगरा** निदेशक, जनसंचार एपीजे विद्यालय नई दिल्ली
		8. **प्रो० एस०के० शर्मा** पूर्व अधिष्ठाता, पूर्व प्रमुख विधि संकाय विधि विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय
		9. **प्रो० रोमेश चदंर** विभागाध्यक्ष, गणित विभाग जम्मू विश्वविद्यालय
		10. **श्री धनंजय सिंह** महानिदेशक, राष्ट्रीय एच०आर०डी० नेटवर्क
च	कुलसचिव जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय	सविच, पूर्व-पदेन

वित्त समिति

क.	कुलपति	**प्रो० अशोक ऐमा** कुलपति (अध्यक्ष, पूर्व-पदेन)
ख.	समकुलपति	.....
ग.	कोर्ट के द्वारा नामित एक व्यक्ति	1. **डा० अशोक भान** संरक्षक, आईआईपीए जम्मू और कश्मीर क्षेत्रीय शाखा जम्मू, पूर्व महानिदेशक, जम्मू और कश्मीर पुलिस (कोर्ट सदस्य)
घ.	कार्यकारी परिषद द्वारा नामित तीन व्यक्ति, जिनमें से कम से कम एक कार्यकारी परिषद का सदस्य होगा।	1. **प्रो० अमिताभ मट्टू** अंतर्राष्ट्रीय राजनीति संगठन और निरस्त्रीकरण केंद्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नया मेहरोली रोड, नई दिल्ली 110067 (कार्यकारी परिषद सदस्य)
		2. **प्रो० ए० एम० पठान** पूर्व उप-कुलपति केन्द्रीय कर्नाटक विश्वविद्यालय 75/4, रानोजी राव रोड, बसवंगुड़ी, बंगलोर -560004
		3. **प्रो० जय प्रकाश शर्मा** वाणिज्य विभाग (वाणिज्य और व्यापार संकाय) दिल्ली स्कूल आफ इकोनामिक्स दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली - 110007
ङ.	कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किए जाने वाले तीन व्यक्ति	1. संयुक्त सचिव ओर वित्तीय सलाहकार, एम०एच०आर०डी०, या उनके नामिती के रूप में वित्त ब्यूरो (सीयू), एम०एच०आर०डी०, अवर सचिव के स्तर से नीचे के नहीं।
		2. संयुक्त सचिव (सीयू), एम०एच०आर०डी० या प्रशासन ब्यूरो से उनके नामिती के रूप में अवर सचिव।
		3. अवर सचिव (सीयू) या अध्यक्ष, यूजीसी द्वारा नामित कोई भी अन्य अधिकारी जो अवर सचिव के स्तर से नीचे का न हो।
च.	वित्त अधिकारी	सचिव (पूर्व-पदेन)

महत्वपूर्ण समितियाँ और प्रकोष्ठ

क) शिक्षणेतर कर्मचारियों और छात्रों के लिए शिकायत निवारण समिति:

विश्वविद्यालय में शिक्षणेतर कर्मचारियों और छात्रों के लिए शिकायत निवारण समिति है। समिति को व्यक्तिगत रूप से या समूह के रूप से प्रभावित करने वाले मामलों के संबंध में लिखित शिकायतों और याचिकाओं को स्वीकार करने और विचार करने शिकायतों में पूछताछ करने और सिफारिशें करने और संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट करने अथवा अन्य अधिकार है।

एसी/एसटी/ओबीसी/पीडब्लूडी प्रकोष्ठ :

विश्वविद्यालय नियुक्तियों में एससी / एसटी / ओबीसी / पीडब्ल्यूडी के लिए भारत सरकार और यूजीसी दिशानिर्देश, 2006 (भारत सरकार में आरक्षण नीति के सख्त कार्यान्वयन के लिए) के अनुसार आरक्षण नीति लागू कर रहा है। दिशानिर्देशों के अनुसार, विश्वविद्यालय ने अनु.ज/ अनु.ज के लिए संपर्क अधिकारी, ओबीसी के लिए संपर्क अधिकारी और पीडब्लूडी के लिए संपर्क अधिकारी को नामित किया है। विश्वविद्यालय ने प्रवेश, रोजगार और अन्य शिकायतों से संबंधित समुदाय / श्रेणी के उम्मीदवारों के मुद्दों को देखने के लिए अनु.ज / अनु.जन / पीडबलूडी सेल और ओबीसी सेल की स्थापना की है।

निम्नलिखित गतिविधियों / बैठकों को एससी / एसटी सेल के तहत जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया है।

1. छात्रों के श्रेणी प्रमाणपत्र सत्यापन विश्वविद्यालय के सभी विभागों के प्रवेश के समय किए गए हैं।
2. एससी / एसटी सीटों के बारे में प्रवेश के दौरान प्रश्न मौके पर हल किए गए थे।
3. समय-समय पर हर समिति में एससी / एसटी प्रतिनिधि की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रवेश समितियों / भर्ती समितियों का गठन और संशोधन किया गया है।
4. विश्वविद्यालय रोस्टर पर समय-समय पर बैठकें आयोजित की गई हैं।
5. विश्वविद्यालय रोस्टर में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के समावेश के लिए भी बैठक आयोजित की गई है।

- **सलाहकार समिति :**

विश्वविद्यालयों में भारत सरकार के आरक्षण नीति के सख्त कार्यान्वयन के लिए यूजीसी के दिशानिर्देशों, 2006 के अनुसरण में, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अध्यक्ष के रूप में कुलपति के साथ सलाहकार समिति की स्थापना की है।

- **यौन उत्पीड़न की रोकथाम, रोकथाम और निवारण (स्पर्श):**

विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों, शिक्षकों, छात्रों और शोधार्थी के लिए अनुकूल कार्यस्थल के माहौल को बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो किसी भी तरह के यौन उत्पीड़न से मुक्त हो। स्पर्श (संवेदनशीलता, यौन उत्पीड़न की रोकथाम और निवारण) स्पर्श (एबीएस) और यूसीसी (विश्वविद्यालय शिकायत समिति) के सर्वोच्च निकाय के साथ जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में काम कर रहा है।

यह संवेदीकरण कार्यक्रम और परामर्श सहित विभिन्न गतिविधियों के आयोजन में सक्रिय रूप से संलग्न है। प्रत्येक चरण में महिला सशक्तिकरण को ध्यान में रखा गया है। शारीरिक विकास के लिए सक्षम कार्यक्रम और संकाय, शोधार्थी और छात्र के लिए योग एक ऐसा कदम है। विश्वविद्यालय में योग और शारीरिक विकास का भी ध्यान रखा जाता है। सीयूजे में स्थापित यूबीआईसी (विश्वविद्यालय व्यवसाय ऊष्मायन केंद्र) ने महिला सशक्तिकरण के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए। इसके अलावा, जम्मू क्षेत्र से महिला कारीगरों के लिए आउटरीच गतिविधियां उद्यमशीलता कार्यशाला विश्वविद्यालय में आयोजित की गई थी।

विश्वविद्यालय प्रशासन

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय का मानव संसाधन स्कंध (विंग) गैरशिक्षण- कर्मचारियों और संकाय के स्थापना मामलों जैसे उनकी भर्ती, उनके सेवा रिकॉर्ड, प्रशिक्षण और विकास को बनाए रखने और विश्वविद्यालय के सामान्य प्रशासन की देखभाल कर रहा है। स्कंध के कार्य स्तर पर पारदर्शिता पैदा करने का प्रयास करता है। विश्वविद्यालय प्रशासन के सुचारू संचालन के लिए, प्रकोष्ठ /समितियों को उनमें से कुछ के संक्षिप्त बनाया जाता है जो नीचे दिया जाता है :

- **गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों के लिए शिकायत निवारण समिति :**

  विश्वविद्यालय में शिक्षणेत्तर कर्मचारियों और छात्रों के लिए अलगअलग शिकायत निवारण समिति है। समिति को व्यक्तिगत रूप से या - ले मामलों के संबंध में लिखित शिकायतों और याचिकाओं को स्वीकार करने और एक समूह के रूप में सीधे रूप से प्रभावित करने वा उन पर विचार करने का अधिकार है। शिकायतों की जांच करें और संबंधित प्राधिकारियों को सिफारिशें और रिपोर्ट करें; या अन्यथा।

- **अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति /अन्यपिछडा वर्ग /दिव्यांग प्रकोष्ठ :**

  विश्वविद्यालय भारत सरकार और यूजीसी के दिशा-निर्देशों, 2006 (विश्वविद्यालयों में भारत सरकार की आरक्षण नीति को कठोरता से लागू करने के लिए) के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति /अन्यपिछडा वर्ग /दिव्यांगों के लिए नियुक्तियों में आरक्षण नीति लागू कर रहा है। दिशा-निर्देशों के अनुरूप विश्वविद्यालय ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए संपर्क अधिकारी, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए संपर्क अधिकारी और दिव्यांगों के लिए संपर्क अधिकारी को नामित किया है। विश्वविद्यालय ने प्रवेश, रोजगार और अन्य शिकायतों से संबंधित समुदाय/वर्ग के उम्मीदवारों के मुद्दों को देखने के लिए अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति /अन्यपिछडा वर्ग /दिव्यांगों प्रकोष्ठ और अन्यपिछडा प्रकोष्ठ का गठन किया है।

- **सलाहकार समिति :**

  विश्वविद्यालयों में भारत सरकार की आरक्षण नीति को शक्ति से लागू करने के लिए यूजीसी के दिशा-निर्देशों- 2006 के अनुसरण में जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ने कुलपति के अध्यक्ष के रूप में एक सलाहकार समिति की स्थापना की है। समिति परीक्षाओं में सफल उत्तीर्ण होने के लिए अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए प्रवेश और क्षमता निर्माण कार्यक्रम में आरक्षण नीति लागू करने की समीक्षा करती है।

- **संवेदीकरण, रोकथाम और यौन उत्पीड़न का निवारण (एसपीएआरएच) :**

  विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों, संकाय, छात्रों और अनुसंधान विद्वानों के लिए एक अनुकूल कार्यस्थल वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो यौन उत्पीड़न के किसी भी रूप से मुक्त है। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्पार्श (एबीएस) और यूजीसी (विश्वविद्यालय शिकायत समिति) के साथ केंद्रीय विश्वविद्यालय में एसपीएसएच (संवेदीकरण, रोकथाम और यौन उत्पीड़न का निवारण) कार्य कर रहा है। यह संवेदीकरण कार्यक्रम और परामर्श सहित विभिन्न गतिविधियों के आयोजन में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। हर कदम पर महिला सशक्तिकरण पर विचार किया गया है। सक्षम संकाय, अनुसंधान विद्वानों और छात्र के लिए शारीरिक विकास और योग के लिए एक घटना ऐसा ही एक कदम है। विश्वविद्यालय में योग और शारीरिक विकास का भी ध्यान रखा जाता है। सीयूजे में स्थापित यूबीआई (विश्वविद्यालय व्यवसाय ऊष्मायन केंद्र) ने महिला सशक्तिकरण के लिए विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया। साथ ही, विश्वविद्यालय में जम्मू क्षेत्र की महिला कारीगरों के लिए आउटरीच गतिविधि उद्यमी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- **आउटसोर्सिंग(बाह्य स्त्रोतों) के माध्यम से जनशक्ति की भर्ती:**

  विश्वविद्यालय को सुरक्षा, सफाई, बागवानी, रखरखाव, छात्रावास , अतिथिगृह आदि के लिए आउटसोर्स के माध्यम से 175 व्यक्ति को लगाने की मंजूरी दी गई है।

- **नियुक्ति/ कार्यव्यस्तता :**

  (i) **गैर-शिक्षण (सीधे भर्ती):**

  प्रशासन शाखा ने वर्ष 2019-2020 के दौरान प्रशासनिक पदों की भर्ती की। विश्वविद्यालय ने रोजगार (शिक्षणेत्तर) अधिसूचना संख्या22 दिनांक 09.01.2019 के तहत विभिन्न गैरशिक्षणेत्तर पदों का विज्ञापन दिया है। इन पदों के लिए - लिखित परीक्षा19.10.2019 को आयोजित की गई थी। योग्यता प्रकृति के कौशल परीक्षण, जहां भी लागू हो, 24.12.2019 से 13.01.2020 तक आयोजित किए गए थे। लिखित परीक्षा और कौशल परीक्षा उत्तीर्ण उम्मीदवारों का आवेदन परीक्षण 24.12.2019 से 13.01.2020 तक आयोजित किया गया था। अधिसूचना के अनुसार योग्यता और अनुभव के आधार पर प्रवेश अंक अंक जोड़ने के बाद समग्र परिणाम संकलित किया गया था । चयन समिति की सिफारिश पर विश्वविद्यालय द्वारा इन पदों का परिणाम रोजगार समाचार में और विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अधिसूचना संख्या 63/2020 दिनांक 05.02.2020 के माध्यम से घोषित किया गया था।

रोजगार अधिसचूना संख्या **22** दिनांक **09.01.2019** के तहत विज्ञापित पदों की सचूी

क्रम. संख्या	**पदनाम**	**पदों की संख्या**
1.	परीक्षा नियंत्रक	01- अनारक्षित
2.	आंतरिक लेखा अधिकारी	01- अनारक्षित
3.	अनुभाग अधिकारी	01- अनारक्षित
4.	सहायक अभियंता	01- अनारक्षित
5.	निजी सचिव	01- अनारक्षित एंव 01- पीडब्ल्यूडी(अस्थी विकल्ड्ग)
6.	हिन्दी अनुवादक	01- अनारक्षित
7.	विधि सहायक	01- अनारक्षित

8.	अवर लिपिक	01-अनारक्षित,01-ओ.बी.सीएंव01- पीडब्ल्यूडी(HH)
9.	प्रयोगशाला सहायक	01- अनारक्षित
10.	पुस्तकालय सहायक	01- अनारक्षित
11.	प्रवर लिपिक	01- अनारक्षित, 01-ओ.बी. सी एंव 01-एस.सी
12.	पुस्तकालय परिचारक	01- पीडब्ल्यूडी (VH)
13.	पाकगृह परिचारक	02- अनारक्षित

परीक्षा नियंत्रक, आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी और पुस्तकालय परिचारक के सांविधिक पदों को छोड़कर सभी उपरोक्त शिक्षणेत्तर पदों को फरवरी 2020 के महीने में भरा गया है। परीक्षा नियंत्रक पद के लिए आवेदनों की सीमित प्रतिक्रिया के कारण उक्त पद को रोजगार अधिसूचना संख्या 24 दिनांक 18.06.2019 के माध्यम से फिर से विज्ञापित किया गया।

रोजगार अधिसूचना संख्या 24 **दिनांक** 18.06.2019 **के तहत विज्ञापित पद की सूची**

क्रम. संख्या	पदनाम	पदों की संख्या
1.	परीक्षा नियंत्रक	01- अनारक्षित
2.	पुस्तकालय परिचर	01- पीडब्ल्यूडी (VH)

रोजगार अधिसूचना संख्या 25 **दिनांक** 04.09.2019 **के तहत विज्ञापित पद की सूची**

क्रम. संख्या	पदनाम	पदों की संख्या
1.	वित्त अधिकारी	01- अनारक्षित

10.12.2020 को आयोजित 15वीं बैठक में विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद ने चयन समितियों की सिफारिशों को मंजूरी दी। विश्वविद्यालय द्वारा अपनी वेबसाइट पर क्रमश रोजगार सूचनाएं संख्या :22, 24 और 25 दिनांक 09.01.2019, 18.06.2019 और 04.09.2019 के परिणाम घोषित किए गए। अधिसूचना संख्या 63 / 2020 दिनांक 05.02.2020 और अधिसूचना दिनांक 11.12.2019। परीक्षा नियंत्रक, वित्त अधिकारी और आंतरिक लेखा परीक्षा अधिकारी के पद दिनांक 31.03.2020 को रिक्त हैं।

भर्ती प्रक्रिया में और तेजी लाने के लिए विश्वविद्यालय ने रोजगार अधिसूचना संख्या **26** दिनांक **03.01.2020** के तहत रिक्त शिक्षणेत्तर पदों का विज्ञापन किया।

रोजगार अधिसूचना संख्या **26** दिनांक **03.01.2020** के तहत विज्ञापित पद की सूची

क्रम. संख्या	पदनाम	पदों की संख्या
1.	निजी सहायक	1- अनारक्षित & 1- ओबीसी
2.	प्रवर लिपिक	2- अनारक्षित , 1-पीडब्ल्यूडी 1-ईडब्ल्यूएस एंव 1-एसटी
3.	चालक	02- अनारक्षित

महामारी कोविड़-19 और परिणामस्वरूप लॉक डाउन के कारण, विश्वविद्यालय भर्ती के साथ आगे नहीं बढ़ सका। हालांकि इस कैलेंडर वर्ष में भर्ती की प्रक्रिया पूरी होने की संभावना है।

(i) गैर क्षणेत्तरशि-(विभागीय पदोन्ति):

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय विभागीय पदोन्नति समिति अधिसूचना नं. सीयूजे/प्रशा./डीपीसी/**2019/361** दिनांक **12.07.2019** ने सभी आंतरिक पात्रता कर्मचारियों से आवेदन आमंत्रित किए हैं ताकि समूह "ए", समूह "बी" और समूह "सी" पदों के लिए विभागीय पदोन्नति प्रक्रियाओं के साथ रिक्तियों को भरा जा सके।

क्रम. संख्या	**पदनाम**	**पदोन्नति वर्ग**
1.	सहायक कुलसचिव	01 (अनारक्षित)
2.	अनुभग अधिकारी	02 (अनारक्षित)
3.	निजी सचिव	02 (अनारक्षित)
4.	अवर लिपिक	04 (अनारक्षित)
5.	प्रवर लिपिक	02 (अनारक्षित)

विश्वविद्यालय ने कार्यालय आदेश 591/2019 के तहत विभागीय पदोन्नति परीक्षा (केवल प्रकृति में योग्यता) उत्तीर्ण 8 आंतरिक पात्रता उम्मीदवारों को पदोन्नत किया। उपर्युक्त विभागीय पदोन्नति श्रेणी के तहत यूडीसी के चार पद, निजी सचिव के 2 पद और अनुभाग अधिकारी के 2 पद भरे गए हैं। असिस्टेंट रजिस्ट्रार और लोअर डिवीजन क्लर्क के पदों पर पदोन्नति की प्रक्रिया चल रही है।

प्रवेशांक 2019-20									
पाठ्यक्रम	**2019-20 के दौरान प्रवेशांकन**								
				समान्य	**एससी**	**एसटी**	**ओबीसी**	**ईडब्ल्यू**	**पीडब्लूडी**
स्नातक									
		पूरूष	**महिला**						
बी वॉक. (बैंकिंग)	29	19	10	23	4	0	2	0	0
बी वॉक. (आरएम)	15	7	8	12	2	0	1	0	0
बी वॉक.(टीएम)	23	20	3	15	2	0	5	1	0
उप योग	**67**	**46**	**21**	**50**	**8**	**0**	**8**	**1**	**0**
स्नातकोत्तर									
पर्यावरण विज्ञान	47	10	37	18	9	5	11	4	0
अर्थशास्त्र	35	13	22	22	7	4	2	0	0
अंग्रेज़ी	34	3	31	15	5	7	7	0	0
गणित	24	9	15	9	4	3	6	2	0
शैक्षिक अध्ययन	44	3	41	25	10	3	6	0	0
कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी	30	14	16	26	3	0	1	0	0

मानव संसाधन प्रबंधन एंव संगठनात्मक व्यवहार	41	14	27	32	3	0	6	0	0
पर्यटन एंव यात्रा प्रबंधन	41	19	22	25	6	3	7	0	0
एमबीए समान्य	26	15	11	21	3	0	2	0	0
विपणन एंव श्रृखला आपूर्ति प्रबंधन विभाग	28	22	6	18	3	3	4	0	0
लोक नीति एवं लोक प्रशासन	35	18	17	24	4	6	0	1	0
समाजिक कार्य	34	4	30	30	1	2	0	1	0
जनसंचार एंव नवीन मीडिया	16	9	7	13	1	0	2	0	0
हिंदी	10	2	8	7	2	1	0	0	0
सूक्ष्म विज्ञान एवं सामग्री	18	15	3	14	3	0	1	0	0
राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	13	4	9	9	0	2	2	0	0
उपयोग-	**476**	**174**	**302**	**308**	**64**	**39**	**57**	**8**	**0**
संयुक्त									
भौतिकी	39	15	24	16	8	2	11	2	0
रसायन विज्ञान	40	15	25	30	2	7	1	0	0

वनस्पति विज्ञान	34	5	29	24	6	0	2	2	0
प्राणीशास्त्र	37	5	32	22	6	2	6	1	0
बीएड बीएड	32	13	19	15	3	0	13	1	0
उप -कुल	**182**	**53**	**129**	**107**	**25**	**11**	**33**	**6**	**0**
पीएच डी .									
पर्यावरण विज्ञान	4	0	4	1	2	0	1	0	0
अर्थशास्त्र	0	0	0	0	0	0	0	0	0
अंग्रेज़ी	4	1	3	2	1	0	1	0	0
गणित	4	0	4	3	0	1	0	0	0
शैक्षिक अध्ययन	8	1	7	3	2	1	2	0	0
कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी	5	4	1	4	0	1	0	0	0
मानव संसाधन प्रबंधन एंव संगठनात्मक व्यवहार	3	0	3	3	0	0	0	0	0
पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
एमबीएम समान्य	0	0	0	0	0	0	0	0	0
विपणन एंव श्रृखला आपूर्ति प्रबंधन विभाग	0	0	0	0	0	0	0	0	0

लोक नीति एवं लोक प्रशासन	0	0	0	0	0	0	0	0	0
सामाज कार्य	2	1	1	1	1	0	0	0	0
जनसंचार एवं नवीन मीडिया	1	0	1	1	0	0	0	0	0
हिंदी	5	4	1	2	1	0	1	1	0
सूक्ष्म विज्ञान एवं सामग्री	5	2	3	4	0	0	1	0	0
राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन	3	3	0	2	0	1	0	0	0
भौतिकी	5	1	4	4	0	0	1	0	0
रसायन विज्ञान	6	2	4	3	1	1	1	0	0
वनस्पति विज्ञान	5	1	4	3	0	1	1	0	0
प्राणीशास्त्र	3	1	2	2	0	1	0	0	0
तुलनात्मक धर्मों और सभ्यता के लिए केंद्र	2	1	1	1	1	0	0	0	0
आणविक जीव विज्ञान केंद्र	4	2	2	3	0	0	1	0	0
उप योग	**69**	**24**	**45**	**42**	**9**	**7**	**10**	**1**	**0**
डिप्लोमा प्रमाणपत्र/									
सौंदर्य और कल्याण	25								

योगा	30								
सीसीआरसी पाठ्यक्रम प्रमाणपत्र	18								
उप कुल	**73**								
कुलयोग	**867**	**-**	**-**	**580**	**106**	**57**	**108**	**16**	**0**

स्वास्थ्य केंद्र

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, सैनिक कॉलोनी जम्मू के अस्थायी शैक्षणिक खण्ड में वर्ष 2012 में स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की गई थी। अगस्त 2016 में सीयूजे, सुचानी, बगला मुख्य परिसर में वैकल्पिक स्वास्थ्य केंद्र ने काम करना शुरू किया। स्वास्थ्य केंद्र अस्थायी शैक्षणिक खण्ड को अंततः जून 2018 में मुख्य परिसर बागला में स्थानांतरित कर दिया गया और क्वार्टर संख्या- 6 में स्थापित किया गया।

स्वास्थ्य केंद्र का कामकाज :-

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र सभी कार्य दिवसों पर सुबह 9:30 से 5:30 बजे तक कार्य करता है। चिकित्सा अधिकारी और पैरामेडिकल स्टाफ किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए छात्रावास के लिए सभी दिनों पर **24x7** कॉल पर हैं।

कर्मचारियों की उपलब्धता :-

01	चिकित्सा अधिकारी	2
02	स्टाफ नर्स	1
03	फार्मेसी	1
04	चिकित्सा परिचर्या सह ड्रेसर	1
05	कार्यालय परिचर्या (अस्थाई आधार पर)	1

उपरोक्त स्टाफ वर्तमान में विश्वविद्यालय के छात्रों, कर्मचारियों को चिकित्सा सुरक्षा प्रदान कर रहा है।
स्वास्थ्य केंद्र में दो एंबुलेंस हैं, एक छात्रावास में 24x7 और दूसरा मुख्य परिसर स्थित स्वास्थ्य केंद्र में तैनात है।
छात्रों और कर्मचारियों को दवा और अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं नि:शुल्क प्रदान की जाती हैं।

सुविधाएं :-

1	ईसीजी
2	एम्बुलेंस (24x7) 2
3	रोगी कार्डियक मॉनिटर
4	ऑक्सीजन (सिलेंडर और ऑक्सीजन ध्यान देने वाला)
5	ड्रेसिंग, टांके, चतुर्थ जलसेक आदि सहित चोटों में प्राथमिक चिकित्सा।

गतिविधियां :-

- केन्द्रीय विद्यालय, सीयूजे के छात्रों की वार्षिक शारीरिक जांच कराई गई।
- भोजनालय और परिसर के मासिक स्वच्छता भ्रमण आयोजित किए गए।
- 26 जुलाई, 2019 को विजयपुर के झूंसी पंचायत में विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र द्वारा चिकित्सा सह दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया था।
- सीयूजे के एनएसएस विभाग के सहयोग से **28** अगस्त **2019** को स्वास्थ्य केंद्र में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।
- उक्त अवधि के दौरान मेदांता मेडिसिटी अस्पताल, गुडगांव को पैनल बनाया गया था।
- ओपीडी: स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की कुल संख्या थी**- 4019**

वर्ष के लिए व्यय का विवरण (2019-2020)

क) पूंजीगत व्यय:-
उक्त वर्ष का पूंजीगत व्यय **8217** रुपये था।

ख) आवर्ती व्यय :-
उपभोग्य सामग्री, दवा, सर्जिकल आइटम आदि: 195547.00 रुपये

कुल व्यय (क+ख) : ₹ **203764.00 (दो लाख तीन हजार सात सौ चौसठ)**

इंजीनियरिंग एवं संपदा

क) भवन निर्माण समिति

वर्ष 2019-20 में शुरू हुई जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय की विश्वविद्यालय भवन निर्माण समिति की कुल 04 बैठकें हुई। उस बैठक का विवरण नीचे दिया गया हैं :-

(1) भवन निर्माण समिति की 16 वीं बैठक 26/04/2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सम्मेलन कक्ष में हुई।

(2) भवन निर्माण समिति की 17वीं बैठक 30/10/2019 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सम्मेलन कक्ष में हुई।

(3) भवन निर्माण समिति की 18 वीं बैठक 11/01/2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सम्मेलन कक्ष में हुई।

(4) 06/03/2020 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के सम्मेलन कक्ष में भवन निर्माण समिति की 19वीं बैठक आयोजित की गई।

उपरोक्त बैठकों के दौरान लिए गए मुख्य निर्णय निम्नलिखित हैं :-

(1) पीएमसी (मेसर्स ईपीआईएल) ने बाहरी विद्युतीकरण कार्यों के निष्पादन के लिए मेसर्स अनिल कुमार एंड कंपनी (एकेसी), ठेकेदार और ईएसएस-1 और ईएसएस-2 और 03 नं. सीएसएस ने मेसर्स सिविकन हाईटेक प्राइवेट लिमिटेड को पीएमसी द्वारा मेसर्स एकेसी के जोखिम और लागत पर 5.36 करोड़ रुपये दिए हैं।

(2) आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए 100 बिस्तरों वाले योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल के निर्माण के लिए मंजूरी प्राप्त हुई।

(3) विश्वविद्यालय के मुख्य ख़ाका मानचित्र में प्रस्तावित केंद्रीय विद्यालय संगठन की संरचना के लिए 5 एकड़ जमीन और प्रस्तावित 100 बेड का योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा चिकित्सालय के लिए 10 एकड़ जमीन आबंटित किया गया।

(4) 100 बिस्तरों वाला लड़कों का छात्रावास लगभग पूरा हो गया है और इसे 30/12/2020 तक सीयूजे को सौंप दिया जाएगा एंव पानी और बिजली कनेक्शन प्रदान करने के लिए कहा जाएगा। सीयूजे के अधिशासी अभियंता ने बताया कि इस संबंध में प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

(5) राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली मूलभूत सुविधाओं के संबंध में सीयूजे के अधिशासी अभियंता ने बताया कि वर्तमान में संबंधित निष्पादन विभागों के पास धन की कमी के कारण अब तक पहले से निष्पादित कार्य में आगे कोई प्रगति नहीं हुई है।

सीयूजे इस मामले को राज्य सरकार और एमएचआरडी के साथ आगे बढ़ा रहा है।

(6) सीयूजे परिसर में जेएंडके बैंक शाखा स्थापित करने के लिए 2 कनाल भूमि एक साथ दिया गया हैं, जो राज्य का अग्रणी बैंक है और यह भी कि बैंक निर्माण लागत की दिशा में पूरे खर्च को पूरा करेगा। इससे छात्रों और विश्वविद्यालय की जनता के लिए सभी प्रकार की आधुनिक बैंकिंग सेवाओं के विस्तार की सुविधा होगी।

(7) यदि विश्वविद्यालय के लिए अतिरिक्त बुनियादी ढांचा बनाने के लिए, पुनर्भुगतान के लिए 05 वर्षों की ऋण स्थगन पर सहमति बनी तो एच.ई.एफ.ए से ऋण जुटाने के लिए सीयूजे कदम उठाएगा।

(8) बागला में विश्वविद्यालय परिसर में "सतीश धवन अन्तरिक्ष विज्ञान केंद्र" का निर्माण, जिसकी लागत लगभग 5.00 करोड़ है, और 1350 वर्ग मीटर (निर्माण अधीन क्षेत्र) है, जिसका 50% काम पूरा हो चुका है।

(9) 7.20 लाख रुपये (लगभग) की लागत के लिए एक स्टोर का निर्माण इस शर्त के अधीन है कि यह स्थान विश्वविद्यालय के मुख्य खाका परियोजना में हस्तक्षेप नहीं करता है।

(10) विभाग के लिए अस्थायी/ विघटित प्रयोगशालाओं का निर्माण, भौतिकी और रसायन विज्ञान विभाग और गणित विभाग और एचआरएम विभाग की बुनियादी संरचना को परेशान किए बिना लगभग 30.00 लाख रुपये (लगभग) की लागत के लिए संबंधित क्वार्टरों की बालकनियों को कवर करके।

ख) परिसर स्थल ग्राम बागला, सांबा में बुनियादी ढांचा विकास।

(रू. करोड़ में)

क्रम संख्या	कार्य का नाम	अभिकरण का नाम	अनुमानित /आबंटित कीमत	तिथि तक कार्यप्रगति	
				वित्तीय	भौतिक
1.	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय बागला के स्थायी परिसर के लिए फैकल्टी, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय बीएलडीजी और गेट कांप्लेक्स के लिए आवासीय बीएलडी का निर्माण	मेसर्स नागजुआना कॉनस्ट कंपनी लिमिटेड	116.29 *(28.00 कम प्राथमिकता वाले कार्यों के रूप में स्थगित). अनुबंध की कुल लागत = 88.29 करोड़)*	**79.54**	**100.00**
2.	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय बागला के स्थायी परिसर के लिए सड़क कार्य, पुलों और पुलियों और अन्य संबद्ध कार्यों का निर्माण	मेसर्स एसईई इंफ्रास्ट लिमिटेड	264.98 *(64.98 कम प्राथमिकता वाले कार्यों के रूप में स्थगित). अनुबंध की कुल लागत = 200 करोड़)*	**195.76**	**100.00**
3.	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय बागला के स्थायी परिसर के लिए अतिथि गृह के निर्माण का हिस्सा	मेसर्स परसेप्ट बिल्डर्स	4.91	**4.23**	**100.00**
4.	जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय बागला के स्थायी परिसर के लिए आपूर्ति स्थापना, परीक्षण, 11/0.433 केवी आंतरिक /बाह्य बिजली सबस्टेशन और अन्य संबद्ध बाहरी विद्युत कार्यों की कमीशनिंग	मेसर्स अनिल कुमार एंड कंपनी	43.99 *(10.20 कम प्राथमिकता वाले कार्यों के रूप में स्थगित). अनुबंध की कुल लागत = 33.79 करोड़.)* मेसर्स अनिल कुमार एंड कंपनी (एकेसी) का अनुबंध 08.01.18 को समाप्त हो	**15.33**	**27.12**
5.	आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और दो नंबर 11/0433 केवी इनडोर इलेक्ट्रिक सबस्टेशन (ईएसएस-1 एंड 2), 03 नं.	मेसर्स सिविकन हाईटेक प्राइवेट लिमिटेड, जम्मू		**4.72**	**95.00**

	सीयूजे के स्थायी परिसर के लिए आउटडोर प्रकार 11/0.433 केवी कॉम्पैक्ट सबस्टेशन (सीएसएस-1,2 और 3) और अन्य संबद्ध बाहरी विद्युत कार्य		गया। मेसर्स एकेसी के जोखिम और लागत पर आमंत्रित किए जा रहे शेष कार्य के निविदाएं		
6.	डीप ड्रिल्ड ट्यूबवेल वाटर सप्लाई एंड प्रोफेशनल फीस सहित अन्य विकास कार्य	--	41.53	**23.26**	**55.57**
7.	ओबीसी लड़कों के लिए 100 बेड के 2 हॉस्टल (पूरा) और गर्ल्स हॉस्टल (निर्माणाधीन) प्रत्येक (आंशिक रूप से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित) लगभग लागत 17.70	सीपीडब्ल्यूडी		**15.55**	**65.00**
8.	लैब, उपकरण आदि सहित अन्य बुनियादी सुविधाओं का ललक है।	-		**15.50**	
	कुल			**353.89**	

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय ले 4880 कनाल 19 मरलास को मापने वाली जमीन के पूरे खंड पर कब्जा कर लिया जिसे राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय के लिए आबंटित किया था। विश्वविद्यालय ने सांबा में राया-सुचानी (बागला) में चरण-1 में स्थायी परिसर के विकास के लिए निम्नलिखित कार्यों को आरंभ किया था। इन विकासात्मक कार्य 353.89 करोड़ रूपये (जिसमें पीएमसी और आर्किटेक्ट फीस शामिल है) के व्यय की राशि है और यह निष्पादन के विभिन्न चरणों में है।

अभियांत्रिकी विभाग की उपलब्धियों की झलक :

1) 22 प्रोफेसर क्वार्टर पूरे किए गए हैं और 22 क्वार्टरों का उपयोग अंतरिक्ष की बाधा के कारण विभिन्न विषयों के विभिन्न पाठ्यक्रमों/कक्षाओं को चलाने के लिए किया जा रहा है।
2) अतिथि गृह भवन जिसमें 24 कमरे पूरे हुए और प्रशासन के काम के लिए उपयोग किए गए।
3) 830 किलोमीटर सड़क की लंबाई जिसमें चार प्रमुख पुल और जल निकाय शामिल हैं जिनमें 45,00,000 गैलन जल भंडारण क्षमता है।

4) एक 300 केएलडी और एक 120 केएलडी क्षमता का एसटीपी पूरा हुआ।
5) 12,60,000 एलटीआर की क्षमता का केंद्रीय जल प्राप्त करने वाला स्टेशन (सीडब्ल्यूआरएस) पूरा हो गया।
6) 11,88,000 एलटीआर की क्षमता का ऊंचा पानी स्टेशन-1 (ईडब्ल्यूएस-1) पूरा हुआ।
7) 2,40,000 एलटीआर की क्षमता का ऊंचा जल स्टेशन-II (ईडब्ल्यूएस-II) पूरा हुआ।
8) ईएसएस-1 और ईएसएस-2, और कॉम्पैक्ट सबस्टेशन (सीएसएस-1,2 और 3) जून-2020 तक पूरा
9) सीपीडब्ल्यूडी को 5.41 करोड़ रुपये में स्कूल ऑफ एजुकेशन का निर्माण किया गया। 20-12-2019 से निर्माण कार्य शुरू किया गया है, जिसने 1150 वर्गमीटर का निर्माण किया है।
10) सीयूजे, बागला की परिधि के साथ चारदीवारी का निर्माण, जिसकी लंबाई 13.50 किमी (लगभग) है, जो सीपीडब्ल्यूडी को 25.00 करोड़ रुपये है।
11) सीपीडब्ल्यूडी को दिए गए चित्र और बीओक्यू और मेसर्स चरंजी लाल गुप्ता एंड संस को काम आवंटित किया गया है और यह कार्य 7-12-2019 से शुरू कर दिया गया है ।भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में सतीश धवन सेंटर फॉर स्पेस साइंस के नाम से एक केंद्र स्थापित करेगा। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में इसरो के सतीश धवन सेंटर फॉर स्पेस साइंस के निर्माण की लागत राह्य-सुचानी (बगला) जिला सांबा का पूरा खर्च इसरो द्वारा किया जाएगा।

31.03.2020 तक का तुलन–पत्र

राशि (रूपयों में)

राशि का स्त्रोत	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
कॉर्पस/मूलधन	1	3538252575.00	3328290313.29
निर्दिष्ट / उदधिष्ट / अक्षय निधि	2	13990426.00	8275719.00
चालू देयताएँ	3	1292100757.97	1253288690.83
कुल		**4844343758.97**	**4589854723.12**

निधि का आवेदन	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
स्थायी संपत्ति	4		
मूर्त संपत्ति		3220262725.00	114367719.00
अमूर्त संपत्ति		1632739.00	952212.00
कार्य प्रगति में पूँजी		202219791.00	3173875854.00
निवेशों से निर्दिष्ट / उद्दिष्ट / अक्षय निधि	5	0.00	0.00
दीर्घकालिक		0.00	0.00
अल्पकालिक		0.00	0.00
अन्य निवेश	6	0.00	0.00
चल संपत्ति	7	1076585968.12	951495473.27
ऋण, अग्रिम एवं जमाराशियाँ	8	343642535.85	349163464.85
कुल		**4844343758.97**	**4589854723.12**

प्रमुख लेखा नीति 23

आकस्मिक देयताएँ एवं लेखों के संबंध में की गई टिप्पणी 24

(प्रभारी वित्त अधिकारी)
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

कुलपति
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

31.03.2020 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा जोखा

राशि (रूपयों में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	गत वर्ष
आय			
शैक्षणिक रसीदें	9	37070261.00	20038730.00
अनुदान छूट	10	375752000.00	147447000.00
विवेश से आय	11	89536885.10	40380428.17
व्याज अर्जित	12	0.00	0.00
अन्य आय	13	9080987.71	5501856.30
पूर्व अवधि आय	14	0.00	0.00
कुल (क)		**511440133.81**	**213368014.47**
व्यय			
कर्मचारियों का भुगतान व लाभ (स्थापना खर्च)	15	2162234978.00	184659662.00
शैक्षणिक खर्च	16	23278007.00	24694219.00
प्रशासनिक और सामान्य खर्च	17	91786482.00	91961944.70
परिवहन खर्च	18	2509775.00	3071830.00
मरम्मत एवं रखरखाव	19	17649511.00	17127224.00
वित्त लागत	20	177.00	2334.40
ह्रास	4	77285408.00	12313585.00
अन्य खर्च	21	0.00	0.00
पूर्व अवधि व्यय	22	0.00	0.00
कुल (ख)		**428744338.00**	**333830799.10**
आय पर अतिरिक्त व्यय का विवरण (क - ख)		82695795.81	120462984.63
निर्दिष्ट निधि का किया गया स्थानांतरण		0.00	0.00
भवन निधि		0.00	0.00
अन्य (निर्दिष्ट)		0.00	0.00
शेष अधिशेष के कारण (घाटे) मूलधन को अग्रेषित किया		**82695795.81**	**120462784.63**

प्रमुख लेखा नीति 23

आकस्मिक देयताएँ एवं लेखों के संबंध में की गई टिप्पणी 24

(प्रभारी वित्त अधिकारी)
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

कुलपति
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

31.03.2020 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए आय और भुगतान बहि

राशि (रूपयों में)

प्राप्तियाँ		चालू वर्ष	गत वर्ष	भुगतान		चालू वर्ष	गत वर्ष
I. प्रारम्भिक शेष		0.00	0.00	**I.** व्यय			
क)	नकद शेष	0.00	0.00	क)	स्थापना खर्चे	207848108.00	186269898.00
ख)	बैंक शेष	0.00	0.00	ख)	शैक्षणिक खर्चे	6996660.00	24024309.00
i.	चालू खातों में	0.00	13582.50	ग)	प्रशासिनक खर्चे	126654137.00	110110002.00
ii.	जमा खातों में	838618408.00	1033577612.00	घ)	परिवहन खर्चे	4158327.00	2818514.00
iii.	बचत खातों में	112877065.27	47073199.69	च)	मरम्मत व रखरखाव	679744.00	2726935.00
				छ)	पूर्व अवधि खर्चे		0.00
II. प्राप्त अनुदान		0.00	0.00	**II.** उद्दिष्ट / अक्षय निधि से भुगतान		1954294.00	1514759.00
क)	भारत सरकार से	518252000.00	262447000.00				
ख)	राज्य सरकार से	0.00	0.00				
ग)	अन्य स्रोतों से (विवरण)	0.00	0.00		अन्य स्रोतों से (विवरण)	0.00	0.00
III. शैक्षणिक प्राप्तियाँ		21720876.00	12014452.00	**III.** प्रायोजित परियोजना/ योजना की प्राप्तियाँ		41214519.00	47399119.00
IV. उद्दिष्ट / अक्षय निधि से प्राप्तियाँ		7375277.00	4353150.00	**IV.** प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृतियों प्राप्ति भुगतान		1364223.00	0.00
V. प्रायोजित परियोजना / योजना की प्राप्तियाँ		57663133.75	49701215.00	**V.** निवेश और किया गया जमा		0.00	0.00
				क)	बाहय चिन्हित/ अक्षय निधि	0.00	0.00
				ख)	बाह्य निधि (अन्य निवेश)	0.00	0.00
VI. प्रायोजित फैलोशिप एवं छात्रवृतियों प्राप्तियाँ		2117832.00	467000.00	**VI.** निर्धारित बैंक के साथ अवधि जमा		0.00	0.00

राशि (रूपयों में)

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	गत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	गत वर्ष
VII निवेश पर आय का	0.00	0.00	**VII** अचल सम्पति पर व्यय और कार्यगत पूंजी	0.00	0.00
क) उद्दिष्ट / अक्षय निधि	0.00	3051452.00	क) अचल सम्पति	19088743.00	12355055.00
ख) अन्य निवेश	0.00	0.00	ख) कार्यगत पूंजी (अग्रिम सहित)	78449149.00	114700891.00
VIII ब्याज से प्राप्ति	0.00	0.00	**VIII** सांविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान	0.00	
क) बैंक जमा	8094502.10	6315039.00	क) यूजीसी–ब्याज चुकाना	4214000.00	13454000.00
ख) ऋण एवं अगिम	0.00	0.00	ख) मा.सं.वि.मं.– ब्याज चुकाना	4817098.00	
ग) बचत बैंक जमा	365397.00	831045.17			
IX नकदी निवेश	0.00	0.00	**IX** अनुदान प्राप्ति	17430000.00	0.00
X अनुसूचित बैंकों में सावधी जमा का नकदीकरण	0.00	0.00	**X** जमा एवं अग्रिम	17133942.00	2767208.00
XI अन्य आय (पूर्व अवधि आय सहित)	20659289.00	20422261.30	**XI** अन्य भुगतान (सीयूसीईटी/बी.वॉक)	10000393.00	2228195.00
XII जमा एवं अग्रिम	13635431.00	17535448.00	**XII** अंत शेष	0.00	0.00
			क) नकद शेष	0.00	0.00
			ख) बैंक शेष	0.00	0.00
			चालू खातों में	0.00	0.00
			बचत खातों में	60067560.12	112877065.27
			जमा खातों में	1016518408.00	838618408.00
XIII वैधानिक प्राप्तियों के साथ विविध प्राप्तियाँ	2496214.00	7577003.71		0.00	0.00
XIV अन्य रसीदें	14713880.00	6484898.00		0.00	0.00
कुल	**1618589305.12**	**1471864358.37**	**कुल**	**1618589305.12**	**1471864358.37**

(प्रभारी वित्त अधिकारी)
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय

कुलपति
जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय